तत् त्वं पूषन् अपावृणु

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

PM SHRI

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़ (छ.ग.)

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH (C.G.)

विद्यालय पत्रिका ‘‘उड़ान’’

सत्र - 2023-24

KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH

CONGRATULATES

CBSE EXAMINATION 2023

CLASS XII SCIENCE TOPPERS

Rupam Sahu
93.2%

Gaurav Gaharwar
92.6%

Pankaj Janghel
91%

CLASS XII COMMERCE TOPPERS

Anjali Sahu
79.8%

Vivek Kumar Janghel
77.6%

Aaryan Sirmaur
77.2%

CLASS X TOPPERS

Gaurav Fotani
90.0%

Vaibhav Chopra
89.0%

Tikendra Kumar Neta
88.8%

OUR PATRON -

HON'BLE SHRI VINOD KUMAR

Deputy Commissioner

KVS Regional Office, Raipur (C.G.)

HON'BLE SHRI RAVINDRA KUMAR

Assistant Commissioner

KVS Regional Office , Raipur (C.G.)

HON'BLE SHRI
SHRI VIVEK KUMAR CHAUHAN

Assistant Commissioner

KVS Regional Office , Raipur (C.G.)

विनोद कुमार
उपायुक्त
के०वि०स० रायपुर संभाग

Vinod Kumar
Deputy Commissioner
KVS RO Raipur

केंद्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANAGATHAN
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन स्वायत्त निकाय)
(Autonomous body under Education ministry, GOI)
क्षेत्रीय कार्यालय- रायपुर
REGIONAL OFFICE - RAIPUR
दूरभाष :0771-2262912(DC)
वेबसाइट- www.roraipur.kvs.gov.in
ई-मेल -dckvsrorpr@gmail.com

संदेश -

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि केन्द्रीय विद्यालय, खैरागढ़ सत्र 2023-24 की विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है।

विद्यालय पत्रिका विद्यालय के समस्त क्रिया-कलापों का एक प्रतिबिंब है। इसके द्वारा उभरते रचनाकारों व सृजनशील प्रतिभाओं को अपनी सृजनात्मक क्षमता को प्रदर्शित करने का सुअवसर प्राप्त होता है और उसे परिमार्जित करने का एक मौका हैं|

मैं इस विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन से जुड़े सभी विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं प्राचार्य को बधाई देता हूँ और इसकी सफलता की मंगल कामना प्रेषित करता हूँ। मुझे उम्मीद है कि पत्रिका सभी आयु वर्ग के विद्यार्थियों को उचित स्थान प्रदान करेगी।

विनोद कुमार

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के उद्देश्य

रक्षा तथा अर्धसैनिक बलों के कार्मिकों सहित केन्द्रीय सरकार के स्थानांतरणीय कर्मचारियों के बच्चों को शिक्षा के एक समान पाठ्यक्रम के तहत शिक्षा प्रदान कर उनकी शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करना।

विद्यालयी शिक्षा को उत्कृष्टता के शिखर पर पहुँचाना।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड(सी.बी.एस.ई.), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.) जैसे अन्य शैक्षिक निकायों के सहयोग से शिक्षा में प्रयोगात्मकता तथा नवाचारों को प्रारम्भ करना और उन्हें बढ़ाना।

विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता और भारतीयता की भावना विकसित करना।

भारत सरकार के स्थानांतरित होने वाले कर्मचारियों तथा एक स्थान से दूसरे स्थान पर पलायन होने वाली जनता और इसके अलावा देश के दूरवर्ती और अविकसित स्थानों में रहने वाली जनसंख्या के बच्चों के लिए विद्यालय अर्थात केन्द्रीय विद्यालयों की व्यवस्था करना, स्थापित करना, वित्तीय सहायता देना, नियंत्रण और रख-रखाव करना इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ-साथ ऐसे सभी कार्य और सुविधाएं उपलब्ध करवाना और अन्य सभी कार्य जो ऐसे विद्यालयों को संचालित करने के लिए आवश्यक हो।

प्रमुख बिंदु

सभी केन्द्रीय विद्यालयों के लिए एक जैसी पाठ्यपुस्तकें तथा द्विभाषी (हिन्दी तथा अंग्रेजी) शिक्षण का माध्यम है।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सभी केन्द्रीय विद्यालय संबद्ध हैं।

सभी केन्द्रीय विद्यालय सह-शिक्षा एवं मिश्रित विद्यालय हैं।

कक्षा VI से VIII तक संस्कृत भाषा पढ़ाई जाती है।

उपयुक्त शिक्षक- विद्यार्थी अनुपात द्वारा शिक्षण की गुणवत्ता को श्रेष्ठ बनाए रखा जाता है।

कक्षा 8वीं तक के सभी छात्रों, कक्षा 12वीं तक की सभी छात्राओं, अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों, केविसं के कर्मचारियों के बच्चों से कोई ट्यूशन फीस नहीं ली जाती है।

प्राचार्य कलम से……

मैं स्कूल पत्रिका के लिए अपने शब्दों को
करने के लिए अभिभूत हूं। यह विद्यालय के मेरे ने
वर्षों के बाद मैंने सीखा है कि यह विद्यालय अपने अच्छ छात्रा, शिक्षकों और सहायक अभिभावकों के साथ निकट भविष्य में मील के पत्थर स्थापित करने जा रहा है।

उत्कृष्टता एक कला है जिसे प्रशिक्षण और अभ्यस्त द्वारा जीता जाता है। हम सही तरीके से कार्य नहीं करते हैं क्योंकि हमारे पास गुण या उत्कृष्टता है, लेकिन हमारे पास वे हैं क्योंकि हमने सही तरीके से काम किया है.

प्रिय छात्र, उत्कृष्टता किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने का एकमात्र तरीका है। छात्र जीवन अपने आप को उन आदतों के लिए तैयार करने का उच्च समय है जो उत्कृष्टता के मार्ग की ओर ले जाएंगे। स्वस्थ रहें, स्वस्थ सोचें और सही समय में सही करें |

हमेशा अपने आप को उन कृत्यों में शामिल करें जो हमारे देश में बदलाव लाने वाले हैं।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन का उद्देश्य एक अच्छे पेशेवर का उत्पादन करने के बजाय एक अच्छा नागरिक बनाना है, इसलिए इस देश के योग्य नागरिक बनने के लिए कड़ी मेहनत करें.

जय हिन्द

एस.आर. कुजूर

प्रधानाध्यापिका की कलम से....

विद्यालय पत्रिका का प्रत्येक अंक एक मील का पत्थर है ,जो हमारी वृद्धि को दर्शाता है, हमारी कल्पनाओं को उजागर करता है, और हमारे विचारों और आकांक्षाओं को जीवन देता है। यह रचनात्मक कौशल के व्यापक स्पेक्ट्रम को लिखने से लेकर संपादन तक और यहां तक कि पत्रिका को डिजाइन करने में भी शामिल है। मैं छात्रों, अभिभावकों और संपूर्ण संपादकीय टीम को इस सपने को सच करने के लिए उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई देती हूँ |

प्रधानाध्यापिका

संजुलिका जेम्स

संपादक की कलम से...

गति प्रबल पैरों में भरी, फिर क्यों रहूँ दर -दर खड़ा
जब आज मेरे सामने , है रास्ता इतना पड़ा
जब तक मंजिल न पा सकूँ, तब तक मुझे न विराम है
चलना हमारा काम है , चलना हमारा काम है.

लिखना प्रकृति प्रदत्त उपहार है | लेखन का संबंध विचारों से है ...विचार अनंत है ,सीमा से परे | असंभव तक पहुँचने का पर्याय ही वास्तविक लक्ष्य है | जीवन का निर्माण ही सफलताओं से नहीं असफलताओं से होता है | सफलताएँ तो मंजिल होती है जहाँ पहुँच कर एक रास्ता ख़त्म होता है और दूसरे रास्ते की पगडंडियाँ फूटती है जबकि असफलताएं स्वयं में रास्ता होती है | पूरे मनोयोग और कोशिश के साथ किया गया प्रत्येक कार्य हमेशा फलदायी होता है।

उडान का अंक समर्पित करते हुए मुझे विशेष हर्षानुभूति हो रही है | यह केवल विद्यालय प्रशासन के विचारों को प्रकट करने का माध्यम ही नहीं अपितु विद्यार्थियों की उपलब्धियों और सफलताओं को रेखांकित करने के साथ-साथ नवांकुर प्रतिभाओं को अभिप्रेरित करने के लिए एक मंच प्रदान करते हुए उनके अंदर कल्पना शक्ति ,सृजनशीलता का विकास करती है | विद्यालय पत्रिका विषय वैविध्य , शैली की विशिष्टता छात्रों के मानसिक क्षितिज के कलात्मक कलेवर की प्रस्तुति साहित्य साधना के साथ एक रसमय सृष्टि का विधान करते हुए नये ज्ञान ,विज्ञान ,छिपी शक्तियों व क्षमताओं के अहसास और विकास के साथ अपनी योग्यता और सामर्थ्य की पहचान करने में अत्यंत उपयोगी साबित होगी |

मैं कृतज्ञ हूँ सम्माननीय प्राचार्य महोदय श्री सैम्प्रिसियस कुजूर का जिनके प्रेरणा ,नेतृत्व और मार्गदर्शन से यह पत्रिका यह कलेवर पाने में सफल हुई |

मैं ह्रदय से आभारी हूँ संपादक मंडल के सदस्यों एवं समस्त विद्यार्थियों का जिनके उत्साह ,लगन व अनवरत सहयोग से यह अपने अस्तित्व में आया |

विद्यार्थी मौलिक लेखन की दिशा में अग्रसर हो ,यह प्रयास भी हमें करना होगा ताकि हमारा प्रयास उतरोत्तर सफल एवं सार्थक हो सके |

मोहिनी साहू
स्नातकोत्तर शिक्षिका

केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़ (एक झलक)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन देश की रक्षा में जुटे हुए रक्षा और अर्ध सैन्य कर्मियों सहित स्थानांतरित केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं एवं सुसंस्कारित करने हेतु भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया है , जो देश के प्रति समर्पण के लिए हमेशा अग्रसर रहता है | केन्द्रीय कर्मचारियों के कार्य क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए में केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़ सन 2008 को अस्तित्व में आया | तब से अपनी अद्भुत सेवाएँ देता आ रहा रहा है | विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु यह विद्यालय अपने आप में अनूठा है | देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए बच्चे समग्र शिक्षा ग्रहण करते हुए आपसी सद्भाव और भारतीयता की भावना सम्पूर्ण रूप से विकसित करते हुए अपने आप में एक लघु भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता है |

विश्वप्रसिद्ध संगीत नगरी की पावन धरा में स्थित केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़ सभी आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण है | यहाँ वर्तमान में कक्षा पहली से बारहवीं तक कुल 987 विद्यार्थी अध्ययनरत है | यहाँ के विद्वान शिक्षक सिर्फ पाठ्यक्रम प्रक्रियाएं ही नहीं अपितु अतिरिक्त पाठ्यक्रम प्रक्रियाओं में भी विद्यार्थियों को दक्ष बनाते हैं | विद्यार्थियों के चहूँमुखी विकास के लिए सभी विज्ञान प्रयोगशालाएँ ,गणित प्रयोगशाला , कार्यानुभव प्रयोगशाला ,कला विभाग ,प्राथमिक विद्यार्थियों के लिए संसाधन कक्ष ,संगीत कक्ष एवं पुस्तकालय सभी सुविधाओं से परिपूर्ण है | बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए योगा कक्ष ,फ़ुटबाल ,बालीबाल ,टेबल-टेनिस ,क्रिकेट मैदान उपलब्ध है | विद्यालय के परिसर में हरे-भरे पेड़ पौधे एवं चारों ओर हरीतिमा व्याप्त है | इस विद्यालय में बोर्ड के परीक्षा परिणाम निरंतर उत्कृष्ट रहे हैं | पाठ्य-सहगामी क्रियाकलाप निश्चित रूप से पूरे वर्ष कैलेंडर के अनुरूप होते हैं , जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है | विद्यालय स्तर ,क्षेत्रीय स्तर , एवं राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में यहाँ के विद्यार्थी बढ़-चढ़ कर भाग लेते हैं एवं विशेष दर्जा हासिल करते हैं | यहाँ के पूर्व शिक्षित विद्यार्थी न सिर्फ देश में,बल्कि विदेशों के विभिन्न हिस्सों में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं |

चाणक्य ने कहा था -“उच्च स्तर प्राप्त करना आसान है ,पर उस स्तर को बरकरार रखना उससे भी मुश्किल होता है |”

इसलिए हर क्रियाकलाप में निरंतर नूतनता की आवश्यकता है ,जिसके लिए केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़ प्रतिबद्ध है | ताकि यह विद्यालय निरंतर प्रगति के नए शिखर का आरोहण करे |

केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़
KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH

e) to promote harmony and the spirit of common brotherhood amongst all the people of India
transcending regilious, linguistic and regional or sectional diversities; to renounce practices
derogatory to the dignity of women;
f) to value and preserve the rich heritage of our composite culture;
g) to protect and improve the natural environment including forests, lakes, rivers and wild life,
and to have compassion for living creatures;
h) to develop the scientific temper, humanism and the spirit of inquiry and reform;
केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़
ENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGAR
केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़

संपादक—मंडल

श्रीमती मोहिनी साहू (प्रशिक्षित स्नातकोत्तर शिक्षिका)

श्रीमती संजुलिका जेम्स (प्रधानपाठिका)

श्री. तुषार नागदिवे (प्राथमिक शिक्षक)

पूर्वा लहरे - कक्षा -12-अ

श्रीवंत सिंह – कक्षा-12-ब

मोक्ष साहू – कक्षा 10- अ

गोपिका वर्मा-कक्षा10-ब

कर्मचारियों की सूची -

क्र.स	नाम	पद का नाम
1	श्री सत्य नारायण रेड्डी मल्ला	प्र.प्राचार्य (पीजीटी भौतिक विज्ञान)
2	श्रीमतो मोहिनी साहू	पीजीटी (हिंदी)
3	श्री राधे श्याम	पीजीटी (वाणिज्य)
4	श्री प्रशांत घोंगरे	टीजीटी (कला)
5	श्रीमती मोलिना घोष	टीजीटी (गणित)
6	श्रीमती अमृता चौधरी	टीजीटी (गणित)
7	श्री लोकेश कुमार	टीजीटी (अंग्रेजी)
8	श्रीमती संजूलिका जेम्स	प्र.अध्यापिका
9	पी. पद्मावती राव	प्रा. शिक्षिका
10	श्री बिसने सुशील	प्रा. शिक्षक
11	श्री पारधी मुकेश	प्रा. शिक्षक
12	श्री गोलेख गुप्ता	प्रा. शिक्षक
13	श्री मिथिलेश झोडे	प्रा. शिक्षक
14	श्री तुषार नागदेवे	प्रा. शिक्षक
15	श्री आशीष कुमार	प्रा. शिक्षक
16	श्री शक्ति सिंह खैरे	प्रा. शिक्षक
17	श्री मुकुंद सिंह ठाकुर	संगीत शिक्षक
18	श्री प्रशांत सिंह	क . सचि . सहा .

केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़ की कुछ झलकिया...

केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़
KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH
पाठ्य-सहगामी क्रियाकलाप
कौन सी किताब टेबल तक पहुंचेगी?

केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़
KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH
पाठ्य-सहगामी क्रियाकलाप

KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH
राष्ट्रीय एकता दिवस
31 अक्टूबर
NATIONAL UNITY DAY
एकता दौड़ एवं जागरूकता सप्ताह

केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़

वार्षिक खेल दिवस
2
1
3

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, रायपुर संभाग
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN RAIPUR REGION
संकुल स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव
CLUSTER LEVEL CULTURAL MEET
19-11-2022

संकुल स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव
CLUSTER LEVEL CULTURAL MEET

केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़
KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH
पाठ्य-सहगामी क्रियाकलाप

केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़
KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH

केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़
KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH
पाठ्य-सहगामी क्रियाकलाप
CO-CURRICULAR ACTIVITY
PRIMARY SECTION
kit Competition

केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़
KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH
पाठ्य-सहगामी क्रियाकलाप
CO-CURRICULAR ACTIVITY
PRIMARY SECTION

KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH
केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़
Welcomes You on

भारत स्काउट/गाइड
BHARAT SCOUTS/GUIDES
RAIPUR DIVISION

भारत स्काउट/गाइड
BHARAT SCOUTS/GUIDES

केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़
HUMAN RIGHTS DAY
10.12.2022

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़
छात्र परिषद अलंकरण समारोह

केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़
KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH
केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़

केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़
KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH
पाठ्य-सहगामी क्रियाकलाप
CO-CURRICULAR ACTIVITY
PRIMARY SECTION
हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता

KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH
अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH
केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़

केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़
KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, रायपुर संभाग
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN, RAIPUR REGION
YAMAHA

केन्द्रीय विद्यालय, खैरागढ़
रायपुर संभाग
पुस्तकोपहार
(Book Donation)
2022-2023

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
स्थापना दिवस

केन्द्रीय
JUDGE 3
Azadi Ka Amrit Mahotsav

असंभव शब्द का प्रयोग केवल कायर करते हैं। बहादुर और बुद्धिमान व्यक्ति अपना मार्ग स्वयं प्रशस्त करते हैं।
केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़
KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH
पाठ्य-सहगामी क्रियाकलाप
CO-CURRICULAR ACTIVITY
DATE-

असंभव शब्द का प्रयोग केवल कायर करते हैं। बहादुर और बुद्धिमान व्यक्ति अपना मार्ग स्वयं प्रशस्त करते हैं।
केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़
KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH
पाठ्य-सहगामी क्रियाकलाप
SECONDARY SECTION
ACTING COMPETITION
22/07/2023

केन्द्रीय विद्यालय खैरागढ़
KENDRIYA VIDYALAYA KHAIRAGARH
पाठ्य-सहगामी क्रियाकलाप
CO-CURRICULAR ACTIVITY
SECONDARY SECTION
काव्य पाठ
DATE-

STUDENT'S CORNER

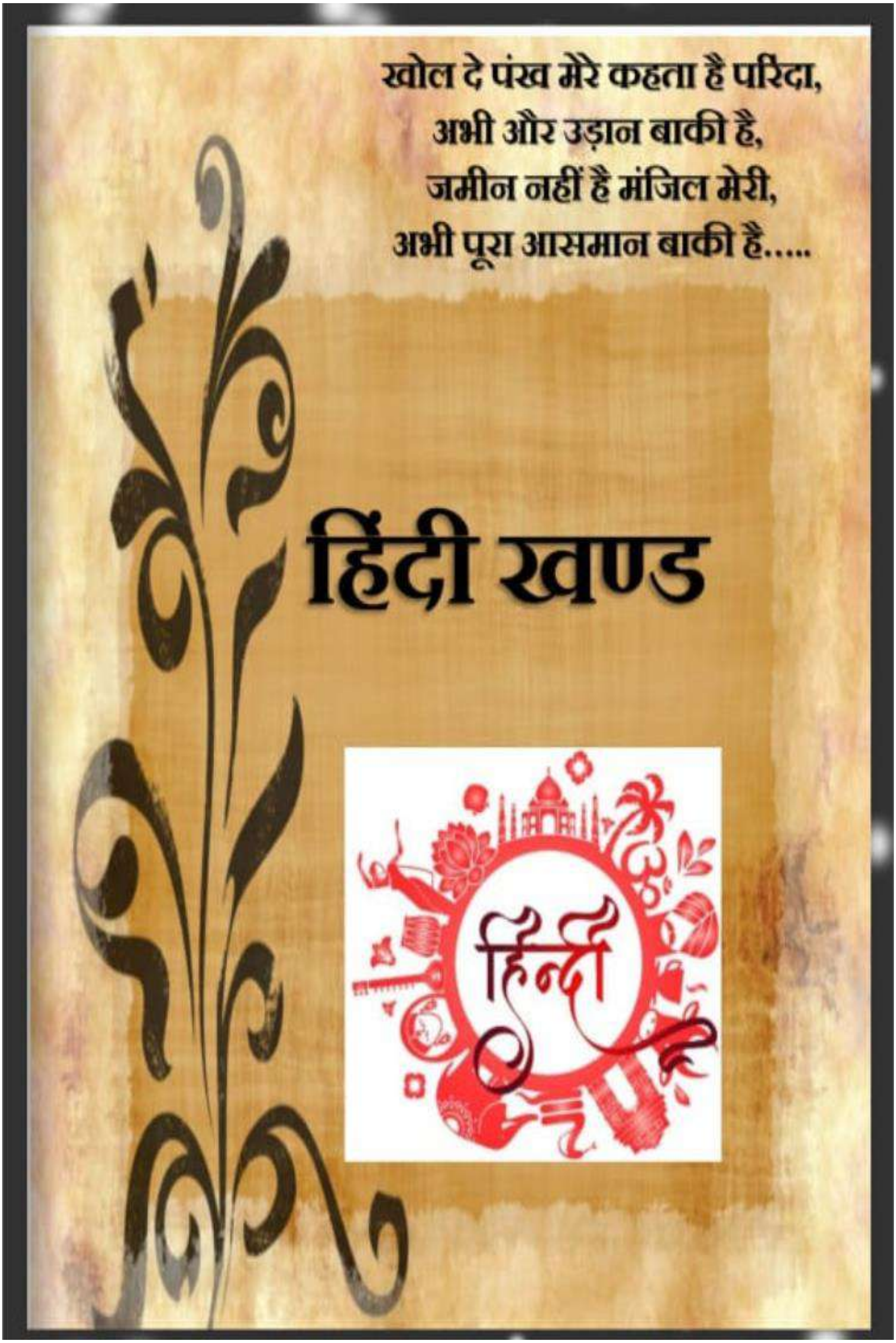
खोल दे पंख मेरे कहता है परिंदा,
अभी और उड़ान बाकी है,
जमीन नहीं है मंजिल मेरी,
अभी पूरा आसमान बाकी है.....
हिंदी खण्ड
हिन्दी

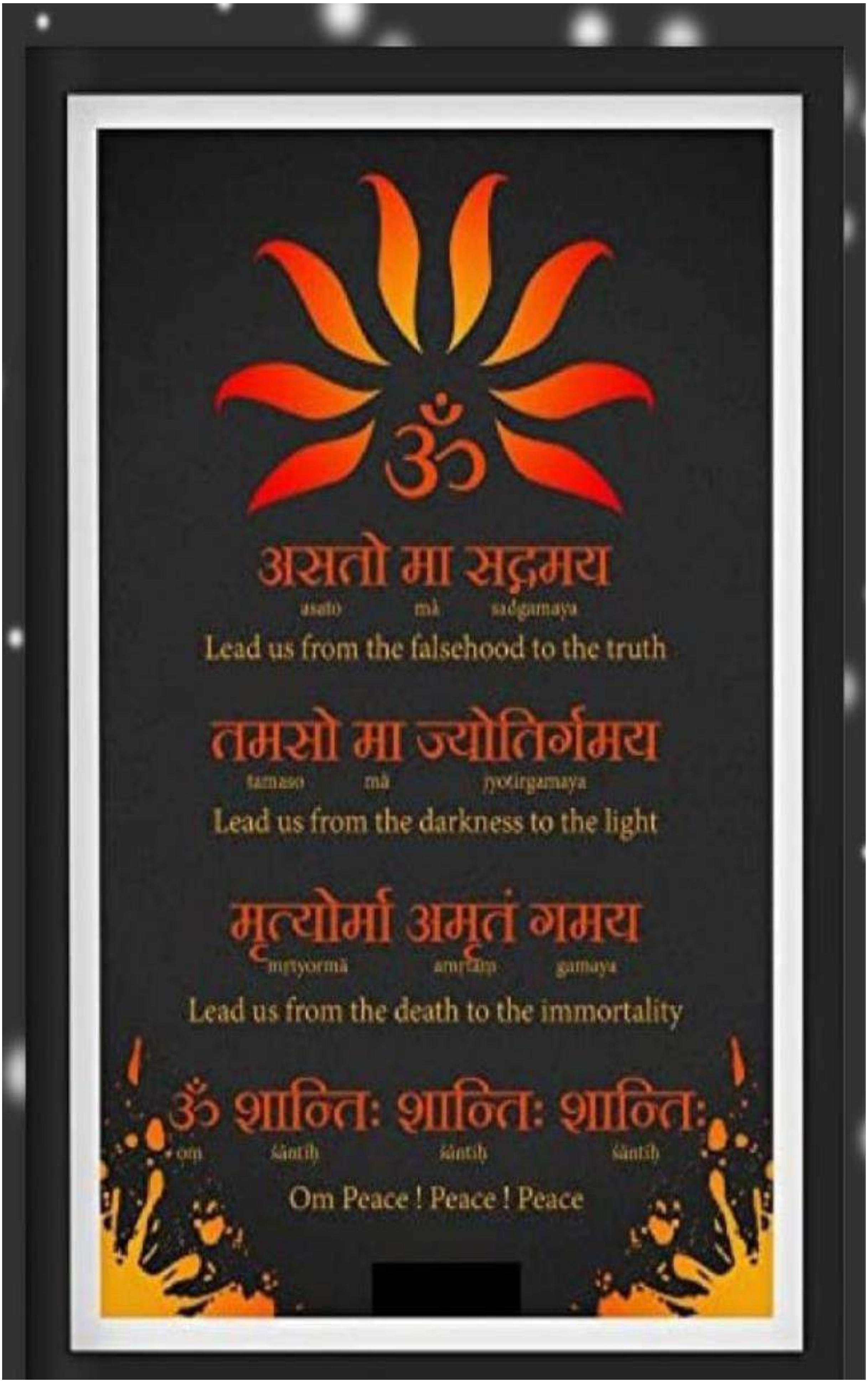
ॐ
असतो मा सद्गमय
asato mā sadgamaya
Lead us from the falsehood to the truth
तमसो मा ज्योतिर्गमय
tamaso mā jyotirgamaya
Lead us from the darkness to the light
मृत्योर्मा अमृतं गमय
mṛtyormā amṛtaṃ gamaya
Lead us from the death to the immortality
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः
om śāntiḥ śāntiḥ śāntiḥ
Om Peace ! Peace ! Peace

1."प्रबुद्ध और मजबूत भारत को आकार देने में केंद्रीय विद्यालयों की भूमिका"

"कुछ कर गुजरने के लिए मौसम नहीं मन चाहिए।
साधन सभी जुट जाएंगे संकल्प का धन चाहिए।।"

सर्वप्रथम मैं केंद्रीय विद्यालय संगठन की स्थापना के 57 वर्ष पूरे होने पर आप सभी को हार्दिक बधाई देना चाहती हूं। मैं एक ऐसे महान संगठन का सदस्य होने के नाते स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही हूं,जो स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा,सर्वश्रेष्ठ,सुव्यवस्थित और सफलतम शैक्षणिक संगठन है। कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच वर्तमान युग में जब आधुनिकता और पश्चिम की आंधी ने भारतीय जीवन मूल्यों को गहरी चुनौती दे रखी है,यह केंद्रीय विद्यालयों का ही कार्य है कि वह भारतीयता और संस्कारों की पाठशाला के रूप में तूफान को बेअसर कर दे। किसी ने क्या खूब कहा है:-

वह पथ क्या पथिक परीक्षा क्या
जिस पथ पर बिखरे शूल न हों
नाविक की धैर्य परीक्षा क्या
जब धारा ही प्रतिकूल न हो।

केंद्रीय विद्यालय संगठन की स्थापना 1963 में हुई थी और भारत सरकार ने 20 रेजीमेंट स्कूलों का अधिग्रहण कर सेंट्रल स्कूलों की स्थापना की। 15 दिसंबर सन 1965 को सोसायटी पंजीकरण की धारा 2 के अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय संगठन का पंजीकरण हुआ।

इस संगठन के उद्देश्य से ही इसके महान कार्यों की झलक मिल जाती है:-

(1) केंद्र के स्थानांतरित कर्मियों एवं रक्षा सैनिकों के बच्चों हेतु समान पाठ्यक्रम के आधार पर शिक्षा की व्यवस्था करना।

(2) स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में प्रयोग एवं नवोन्मेष को बढ़ावा देना ।

(3) विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता एवं भारतीयता की भावना उत्पन्न करना।

इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए हमारा संगठन पूरी तरह समर्पित है। केंद्रीय विद्यालयों की प्रमुख विशेषताएं हैं:-

1 समान पाठ्यपुस्तक

2 मातृभाषा के साथ-साथ अन्य भाषाओं में भी अध्ययन के विकल्प की सुविधा प्रदान की जाती है|

3 हमारे विद्यालय केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई,राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद से संबद्ध हैं।

4 यहां पर शोधों के आधार पर विश्व की आधुनिकतम शिक्षा पद्धति है। हमारे यहां कंप्यूटर इंटरनेट और PISA की नवीनतम अवधारणाओं को शिक्षा में उतारा जाता है।मार्च 2020 से जब कोविड-19 के संक्रमण ने पूरे देश को प्रभावित किया तो हमारे केंद्रीय विद्यालय संगठन ने शिक्षा व्यवस्था को जारी रखने के लिए तीन से चार महीनों के भीतर ही ऑनलाइन शिक्षा की व्यवस्था को प्रारंभ किया । यह पूरी तरह से सुरक्षित, निर्बाध और लाभकारी पद्धति है, जिसमें एक विशिष्ट ऐप की सहायता से पूरे देश के विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और शैक्षिक प्रशासकों को सफलतापूर्वक जोड़ा गया है। इस माध्यम से न केवल पढ़ाई बल्कि खेलकूद,सामाजिक विज्ञान,वैज्ञानिक शोध, नवाचार आदि प्रवृत्तियों को भी सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया जाता है।

हमारे केंद्रीय विद्यालय की अधोसंरचनाएँ सर्वोत्तम हैं। हम शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श पद्धति हैं।यहां पर विद्यार्थी केंद्रित और तनाव रहित शिक्षा दी जाती है।

यह ऐसा विलक्षण संगठन है जो भारतीयता व संस्कारों की शिक्षा देता है ।हमारे यहां धर्म, जाति, भाषा, क्षेत्र के आधार पर भेदभाव नहीं होता। प्रवेश के लिए सरल पारदर्शी प्रक्रिया है।यहां मोटी फीस नहीं है। यहां स्वस्थ,सहज,सरल, प्रेरक शैक्षणिक वातावरण है। केंद्रीय विद्यालय अपने आप में एक लघु भारत है।

केंद्रीय विद्यालय संगठन का ध्येय वाक्य यजुर्वेद के ईशावास्योपनिषद के 40 वें अध्यायके 15वें श्लोक से लिया गया है| यह पूरा श्लोक इस प्रकार है:-

"हिरण्मयेन पात्रेण, सत्यस्यापिहितं मुखम. तत्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये.."

इसका अर्थ है कि "हे सबका भरण पोषण करने वाले, परमेश्वर! सत्य स्वरुप हिरण्यमय (ज्योर्तिमय) पात्र जो ढका हुआ है, मुझे उस पात्र का ढक्कन उठाकर मुझे सत्य का दर्शन करा दीजिए।"

तेजी से बढ़ते भारत, बदलते भारत और नए भारत में देश के करोड़ों लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को एक मजबूत आकार देने में केंद्रीय विद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां की कक्षाओं में भारत का भविष्य गढ़ता है।

¨ तनिष्का साहू—कक्षा—दसवी- ब

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

2. टेडी अनमोल

मेरा टेडी कितना प्यारा
मेरे मन को भाता है

जहाँ जहाँ मैं जाती हूँ
पीछे पीछे आ जाता है

जब मैं स्कूल जाती हूँ
नव्या नव्या बुलाता है

बच्चों का संसार अनूठा
सबसे न्यारे बच्चे हम
देते संदेश एका का हम
भेदभाव से रहें दूर हम

- मोक्ष वैष्णव (कक्षा 3 री –अ)

3. उस मिसाइल मैन को है सलाम

उस मिसाइल मैन को है सलाम,
जिनका नाम था अब्दुल कलाम।
गरीबी से उठकर बने वह विज्ञानी ,
उनकी हर एक बात दुनिया ने मानी।
उस समय उनके लिए मंजिल बैठी दूर थी,
पर उनमें हुनर था और आस्था भरपूर थी।
एक समान था उनके लिए हर एक धर्म और धाम,
पुरे विश्व में उन्होने खूब कमाया नाम।
कितना कुछ किया है उन्होंने इस देश के लिए
नहीं है इसकी कोई गिनती,
अब उनके जैसा ही राष्ट्रपति पाने के लिए
हर एक देश कर रहा है ईश्वर से विनती ।
उन्होंने बदल दिया भारत का आने वाला कल,
और उनका जीवन रहा सफल।
इतने उन्होंने किए पुण्य हैं,
यह कविता उनके महान कर्मों के आगे शून्य है।

द्वारा- आर्ची झा

कक्षा- चौथी-अ

4. आवाजों की दुनिया

मैंने अपनी हिंदी पुस्तक वसंत में लेखिका हेलन केलर की कहानी पढ़ी जो देख नहीं सकती थीं बहुत सोच में पड़ गई कि बिना आंख वालों की दुनिया कैसी होती होगी।उन्हें कैसे पता लगता होगा कि दिन है या रात कौन आया कौन गया।अपनी आंखों को रोज बंद करना शुरू करके अलग-अलग समय में पता किया कि आवाजों से सब कैसे समझा जा सकता है|मुझे पहली बार पता लगा कि हमारे आसपास इतनी सारी आवाजें हैं और हम आंखों से सब देख लेने के कारण इन पर कभी ध्यान नहीं देते।पहले मैंने सुबह की आवाज सुनी जैसे सड़क पर खराहट की आवाज से पता लगा सड़क पर झाड़ू लग रही है सुबह सारे रास्ते पेड़ पौधे, पशु-पक्षी और पता नहीं कौन-कौन बोलना शुरू कर देते हैं।

साइकिल की घंटी की आवाज मतलब ब्रेड वाला आया। स्कूल जाते बच्चों की साइकिल की घंटी की आवाज इससे अलग थी क्योंकि बच्चे हंसते, शोर मचाते, बातें करते जाते थे। एक से ज्यादा घंटी बजती थी। बीच बीच में दादा जी और उनके दोस्तों की आवाजो से पता चलता था कि वे टहल रहे हैं।

रसोई में नल के आने की आवाज अलग थी जो पहले सीटी बजाती थी फिर नल में पानी आता था।

फिर चूड़ियों की आवाज़ से पता लगा कि मम्मी रसोई में पानी भर रही हैं।

साथ में प्यालों की आवाज यानि चाय बनाई जा रही है। आंगन में पीछे बर्तन की आवाज मतलब कामवाली बाई बर्तन साफ कर रही है फिर घर के फर्श पर बाल्टी घसीटने की आवाज से पता लगा कि बाई पोछा लगा रही है।

द्वारा- संस्कृति यादव

कक्षा— नवमी-ब

5.मेरा भारत महान

हम उस देश के वासी हैं ,

जिस देश में मथुरा काशी है।

ये देश है वीर जवानों का,

एका से रहते सब धर्मों का ।

हम पंजाबी ,हम गुजराती, बंगाली, मद्रासी हैं,

इन सबसे पहले हम ,केवल भारतवासी हैं।

हम सब भारतवासी हैं.................

6. सूक्ति वचन

1. धन से ही नहीं बल्कि जो विद्या से हीन है, वही दीन है।

2. मिलने पर मित्र का सम्मान करें।पीठ पीछे प्रशंसा करें। विपत्ति के समय सहयोग करें।

3. नम्रता और मीठे वचन ही मनुष्य का आभूषण हैं।

4. कर्म करो फल की चिंता न करो।

5. मनुष्य की वाणी से उसके गुण अवगुण जाने जा सकते हैं।

6. ऊंचाई यदि उपकार की है तो कोई पर्वत उससे ऊपर नहीं है।

7. अपने से हो सके,वह काम दूसरों से नहीं करवाना चाहिए।

8. कोमलता से बोलो और मधुरता से मुस्कुराओ।

9. जो कार्य जितनी श्रद्धा से किया जाएगा उतना ही श्रेष्ठ होगा।

7. कविता- जीवन नया तू गढ़ता चल।

काँटे मिले जो राहों में चुनकर उसे तू बढ़ता चल।
आस और प्रयास से जीवन नया तू गढ़ता चल।।
लड़खड़ा जाए कदम हिम्मत कभी ना हारना।
आत्मबल के जोर से तू डर को अपने मारना।।
हौसले की सीढ़ी से ऊंचाइयां को चढ़ता चल।
आस और प्रयास से जीवन नया तू गढ़ता चल।।
साध कर तू लक्ष्य अपना नज़र वही गड़ाता जा।
ठानकर तू मन में अपने हर कदम बढ़ाता जा।।
मिले जो शील मिल के श्रम के वर्ण पढ़ता चल।
आस और प्रयास से जीवन नया तू गढ़ता चल।।
मंजिल जो तेरी दूर है आखिर पहुंच ही जाएगा।
दुःख के सागर पार ही मोती खुशी के पायेगा।।
राह में जो लाख आए हर बला से लड़ता चला।
आस और प्रयास से जीवन नया तू गढ़ता चल।।
काँटे मिले जो राहों में चुनकर उसे तू बढ़ता चल।
आस और प्रयास से जीवन नया तू गढ़ता चल।।

- काव्य देवांगन (कक्षा –9 वी)

एक किसान था,उसके पांच बेटे थे। सभी बहुत ताकतवर और मेहनती थे ,पर वे लोग हमेशा आपस में एक-दूसरे से लड़ते झगड़ते रहते थे। यह देखकर किसान बहुत चिंतित रहता था। वह चाहता था कि,उसके बेटे आपस में लड़ाई-झगड़ा ना करें और मिलजुल कर रहे। किसान ने अपने बेटों को बहुत समझाया और डांटा फटकारा भी,लेकिन उन पर इसका कोई असर नहीं हुआ ।किसान को हमेशा यही चिंता खाए जा रही थी कि,वह अपने बेटों में एकता कैसे कायम करे।एक दिन उसने अपनी समस्या का एक उपाय सोचा |उसने अपने पांचों बेटों को बुलाया।उन्हें लकड़ियों का एक गट्ठा दिखाकर कहा- क्या तुममें से कोई इस गट्ठे को बिना खोले तोड़ सकता है। किसान के पांचों बेटे बारी-बारीसे

आगे आए।उन्होंने खूब ताकत लगाई पर उनमें सेकोई भी लकड़ियों का गट्ठा तोड़ नहीं सका। फिर किसान ने गट्ठा खोलकर लकड़ियों को अलगअलग कर दिया। उसने अपने बेटों को एकएक लकड़ी देकर उ से तोड़ने के लिएकहा ,सभी लड़कों ने बहुत आसानी से अपनी – अपनी लकड़ी तोड़ डाली।किसान ने कहा, देखा एक- एक लकड़ी को तोड़ना कितना आसान होता है।इसको एक साथ गट्ठे में बांध देने प र यह कितना मजबूत हो जाता है।इसी तरह तुमलोग मिल – जुलकर एक साथ रहोगे तो मजबूत बनोगे और लड़ – झगड़ कर अलग – अलग हो जाओगे ,तो कमजोर बनोगे।

संगठन में ही शक्ति है।

एकता में ही बल है।

राशी (कक्षा- 5वीं)

9.खाओ फल

इतना सुंदर प्यारा संतरा
मीठा और रस वाला संतरा।
हरे रंग वाला सुंदर जा
मुझे तो अच्छा लगता आम।
पीला मीठा पका केला
मन करे खा जाऊँ अकेला।
विटामिन ए से भरा पपीता
इसे खाकर खुश है अक्षिता ।
लाल लाल है सुंदर बेर
जल्दी खाओ करो न देर।
जो बच्चे सब फल खाते हैं,
वो हमेशा स्वस्थ रह पाते हैं।

पुष्कर कक्षा (2 री 'ब')

10.)कागज और पेंसिल

मैं अभिव्यक्त करना चाहता हूं कुछ शब्द,
और गढ़ने की कोशिश करने पर
कोरे कागज और पेंसिल
से बन जाते हैं,कुछ चित्र
जो अधूरे से जो दिखाई देते हैं सपनों में मुझे,
और जाग लिखने पर वही बन जाती है कविता।

- चंद्रशिवंम चंदेल (5 वी अ)

वृक्ष ही आधार , वृक्ष वनों की शान ,

वृक्ष बिन पृथ्वी , बंजर भूमि समान ।

कल से कालांतर से , युगों से यह साथ,

वृक्ष बिन पर्यावरण सतत वीरान ।।1।।

पशुओं का जीवन यह, पक्षियों का बसेरा ,

वृक्षों से है , जगत का सवेरा ।

वृक्ष बिन वन अंधकार, वृक्ष ही प्रकृति का आधार।

वृक्ष है ऐसा वरदान , जिसने दिया जीवन दान ।।2।।

झरने गाते जिसका यशोगान ,

स्वर्ग पर भी पारिजात विद्यमान ।

करता यह हमें औषधि प्रदान ,

देता हमें वायु प्राणदान ।।3।।

अन्ततः वृक्ष है प्रकृति की शान ,

क्योंकि एक वृक्ष है सौ पुत्रों के समान।।4।।

- अमृता चौधरी

स्नातक शिक्षिका (गणित)

12)मेरे भारत को नमन

जनगणमन जनगणमन

आओ राष्ट्र को करें नमन

मेरे देश में हो शांति और अमन

फिरंगियों ने किया गमन

दुश्मनों का करें दमन

अपनी ही धरती और गगन

आओ देश को करें नमन

वतन को अर्पित करें सुमन

अच्छे कर्मों की भेंट अर्पण|

-अपेक्षा मिश्रा (कक्षा-5 वी)

विश्व के प्रमुख देशों / स्थानों के भौगोलिक उपनाम

सूर्योदय का देश - जापान

संसार की छत -पामीर का पठार (तिब्बत)

संसार का रोटी भंडार - प्रेयरीज आफ नार्थ अमेरिका

मोतियों का द्वीप – बहरीन

स्मारकों की नगरी – वियाना(आस्ट्रेलिया)

विश्व की जन्नत – पेरिस (फ्रांस)

सुकुमार फूलों का देश – जापान

पवन चक्कियों की भूमि –नीदरलैंड

पूर्व का मोती - श्रीलंका

चीनी का कटोरा – क्यूबा

समृद्धि राजन , कक्षा आठवीं 'ब'

मेरी पहली प्रयास ...

माँ

कैसे लिखूँ एक पंक्ति ,
अनंत पंक्ति भी कम है |
माँ को परिभाषित करने ,
हजार लफ़्ज़ भी कम है |
कहते हैं माँ बेटा का रिश्ता ,
अधिक प्यारा होता है |
किंतु माँ का प्यार तो ,
सब पर बराबर होता है |
मैंने एक ही रिश्ता देखा ऐसा ,
वह रिश्ता है माँ का |
जिसके गुस्से में भी दुलार ,
और ममता भरी स्नेह का |
अपने गर्भ में नौ माह तक ,
कष्ट सहा पाला उसने |
अपने गोरस के ताकत से ,
हर स्थिति के लड़ना सिखाया उसने |
कहती है मैं न रहूँ ,
तो भी सदैव खुश रहना |
भला कौन बाते उसे ,
मन नहीं लगता एक पल भी उनके बिना |
कहते हैं संगति का असर,
बहुत गहरा होता है |
मेरा यह प्रथम प्रयास
मेरी माँ से लिखना सीखा है

श्रुति साहू
कक्षा बारहवीं 'अ'

स्वच्छता का यह अभियान

भारत मां का है अभिमान,
गांधी जी के सपनों का ये
धरती पर उतरा प्रतिमान,

कूड़े करकट गंदी सड़के
क्या यही है अपनी पहचान?
नहीं चलेगा गंदा - संदा
आदत बदलो ए इंसान,

हाथ धुलाई, सुंदर कपड़े
प्रतिदिन करना होगा स्नान,
घर का कचरा बाहर डालो
उपयोगी है कूड़ेदान,

हम जागे तो देश जागेगा
हर पल रखना होगा ध्यान,
जागो भाई, जागो बहनों
सतत् चलेगा यह अभियान।

अधिश्री सिंह
कक्षा-10 ब

सेहत बनाओ ,महामारी भगाओ

महामारी है एक बुरी बीमारी
इससे दूर रहना सदा सुखकारी
रखो स्वच्छता अपने आसपास
बीमारी न आएगी कभी आपके पास
स्वच्छ भोजन खाओ
तन को मजबूत बनाओ
शरीर को स्वस्थ बनाओ
बीमारी को दूर भगाओ
करो नित्य तुम योग व्यायाम
बीमारी से पाओ आराम,
आओ एक अभियान चलाए
महामारी को दूर भगाए |
चारो ओर हरियाली लाएं
पेड़-पौधों से धरती को सजाएँ
स्वच्छ हो वातावरण हमारा
महामारी से फिर कभी ना हो सामना
मास्क लगाओ दूरी बनाओ
कोरोना महामारी दूर भगाओ
अपनी सुरक्षा अपने हाथ
कोई भी बीमारी ना हो साथ

अर्पित साई

कक्षा -छठवी अ

...ज़िंदगी...

एक ऊँगली पकड़ जान डालने से,
ऊँगली छोड़ बेजान करने तक का
सफर....
ही तो ज़िन्दगी है क्या?

बेजान,नासमझ पैदा होना,
और फिर समझदार बनने कुछ न
समझ पाना....
ही तो ज़िन्दगी है क्या?

पहले सीखना और समझना,
फिर खुद सवाल बन,जीवन भर
हल ढूंढना....
ही तो ज़िन्दगी है क्या?

बेमौसम-बेमुहुर्त् पैदा होना,
फिर जीवन भर मौसम के लिए
मुहूर्त ढूंढना....
ही तो ज़िन्दगी है क्या?

काला रंग को अशुभ मानना,
फिर वही नज़र से बचने काली
ताबीज पहनना ....
ही तो ज़िन्दगी है क्या?

माँ के काला रंग से नौ मास पलना,
और वहीं लाल रंग से इश्क़
न करना....
ही तो ज़िन्दगी है क्या?

ज़िन्दगी मे किसी का"जि"से जिगर
का टुकड़ा बन,अंत मे किसी की
बं"दगी" बनना.....
ही तो ज़िन्दगी है क्या?

-श्रुति साहू
कक्षा ।।वी "अ"
केंद्रीय विद्यालय संगठन

13. जब देश के युवा साथ हों

दो हों या चार हों,

नदी हो या पहाड़ हो,,

साथ मिलके चलेंगे हम,

किसी बाधा से न डरेंगे हम।

बारूद हो तूफ़ान हो,

समुद्र का उफान हो,,

न झुकेंगे हम,

जब हम सब साथ हों।

चाहे समस्या तमाम हो,

या अन्याय का प्रहार हो,,

न रुकेंगे हम,

जब हम सब साथ हों।

चाहे हज़ारों कठिनाइयां हों,

चारों तरफ हाहाकार हो,,

श्री. गोलेख गुप्ता

प्राथमिक शिक्षक

प्रकृति

प्रकृति से मिले है हमे कई उपहार
बहुत अनमोल है ये सभी उपहार
वायु जल वृक्ष आदि है इनके नाम
नहीं चुका सकते हम इनके दाम
वृक्ष जिसे हम कहते है
कई नाम इसके होते है
सर्दी गर्मी बारिश ये सहते है
पर कभी कुछ नहीं ये कहते है
हर प्राणी को जीवन देते
पर बदले में ये कुछ नहीं लेते
समय रहते यदि हम नहीं समझे ये बात
मूक खड़े इन वृक्षो में भी होती है जान
करने से पहले इन वृक्षो पर वार
वृक्षो का है जीवन में कितना है उपकार

श्री. तुषार नागदिवे
प्राथमिक शिक्षक

सदैव

माँ खुश हो तो,
चहचहाती है ये दुनिया।
माँ की नाराज़गी से,
काँप जाती है ये धरती
और चुपके से खिसक जाती है,
पैरों के नीचे से।
माँ के आंसू की बूंद गिरते ही,
भारी हो जाते हैं ग्रह नक्षत्र
उन आंसुओं के कारणों के।
माँ के मुस्कुराते ही,
मुस्कुरा उठती हैं
ये भीगी पलकें।
किंतु...
माँ की नींद पर,
सदैव भारी पड़ती है
पिता की अनुपस्थिति
सदैव...
सदैव...

श्री. मिथिलेश झोड़े
प्राथमिक शिक्षक

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

लिखित अभ्यास से ही सफलता

किसी भी व्यक्ति का केवल दूसरे को तैरते देखकर तैरना सीखना तथा तैराकी प्रतिस्पर्धा जीतना लगभग असंभव है, जब तक कि वह व्यक्ति खुद पानी में उतरकर स्वयं तैरने का अभ्यास न करे|

यही कार्यप्रणाली शिक्षा के क्षेत्र में भी लागू होती है| छात्र/ छात्रा शिक्षक को बोर्ड/प्रोजेक्टर या कंप्यूटर पर कार्य कैसे करें, केवल देखते हैं,समझते हैं,खुद लिखकर अभ्यास नहीं करते,और न ही अपने सीखे गए विषय का स्वमूल्यांकन करते हैं| सीधे वार्षिक परीक्षा में पेपर के समय ही लिखते हैं|

छात्र/छात्राओं से अपेक्षा है कि वे अधिकतम अंको के साथ सफलता प्राप्त करने के लिए एक-एक टॉपिक को लिखकर देखें तथा स्वयं मूल्यांकन कर अपने आत्मविश्वास को बढ़ाएं | शिक्षक छात्र को केवल मार्ग दिखा सकता है,उसकी हर संभव सहायता सफलता पाने के लिये कर सकता है, परन्तु लक्ष्य को पूरा करना केवल उस छात्र के सतत प्रयास के द्वारा ही संभव है । यदि किसी छात्र को अपना शरीर स्वस्थ रखना है तो उसे ही योग-कसरत करना होगा। यदि किसी छात्र को अपनी भूख शांत करना है तो उसे ही भोजन करना होगा।

यदि किसी छात्र को कोई वाहन चलाना सीखना है तो उसे ही उसका अभ्यास करना होगा।

यदि किसी छात्र को किसी दौड़ में अव्वल आना है तो दौड़ का अभ्यास भी उसे ही करना होगा।

उसी प्रकार परीक्षा में सफलता के लिये छात्र को लिखित अभ्यास आवश्यक है,जिसके लिये वह माता-पिता और अपने शिक्षक की सहायता ले सकता है।

मैं स्वयं अभ्यास पर बहुत जोर देता हूँ तथा मैंने कई छात्रों को लाभांवित होते हुए भी देखा है।

श्री. शक्ति सिंह खैरे
प्राथमिक शिक्षक

आशा की किरण .....

जब निराशा के अंधेरों में घिरो,
तब समझ लो निकट आशा की किरण है।
घुटन मौसम की यही कहती सभी से,
निकट ही शीतल हवाओं की छुअन है।
पार कर लो सब अँधेरे होंसलों से,
फिर उजालों ही उजालों का सफ़र है।
आज काँटों की चुभन बेहाल करती,
कल वहीँ मखमली फूलों की डगर है।
जब थके से पांव राहों में धरो तुम,
तब समझ लो निकट मंजिल का मिलन है।
जो समय का ध्यान रखता है समझलो,
समय उसका मान रखता है सदा ही।
जो अहम् की बात करता है हमेशा,
भुला देता है उसे स्वयं परमात्मा ही।
ऊब जाओ जब स्वयं झूठे कथन से,
तब समझ लो खिल रहा सच का सुमन है।
जो सभी का कष्ट अपना मानता है,
हर कोई उसके लिए आगे बढ़ा है।
कष्ट छोटा या बड़ा किस पर पड़ेगा,
कब किसी के भाग्य को किसी ने पढ़ा है।
जब स्वयं से ही डरने लगो तुम,
तब समझ लो ज्ञान का पावन सृजन है।
प्यार के हर शब्द का रहता ऋणी जो,
सर उठाकर वही जीता है जगत में।
और जो हारे थके का साथ देता,
है वही आशीष रस पीता सुपथ में।
जब न हो शंका इसे स्वीकारने में,
तब समझ लो निकट कष्टों का दमन है।

लोकेश कुमार
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक
(अंग्रेजी)

जिस मिट्टी में जिन्दा ईमान रहता है
उसी जमीं पर उम्दा इंसान रहता है |
हमला हो हम पर ,जाने कब ? किस तरफ से
हर वक्त हाथ में मेरे एक श्मशान रहता है |
तंग है कूचा बेशक ,जगह दिल में तो है
मुखासर मेरे दिल में सारा जहान पलता है |
इश्क के खेल में खलास मेरे दिल का चैन
बेवक्त ,दिल में कोई खालिस अनजान रहता है |
हो जाएँ साथ भले फिर बाद में जुदा होने के
दाग दिल पर मगर ,कोई निशान रहता है |
श्री आशीष कुमार ,प्राथमिक शिक्षक

दिनचर्या

भारतीय संस्कृति में ऋषियों द्वारा प्रणित हमारी दिनचर्या नियमित है | प्रातः जागरण से लेकर शयन तक की समस्त क्रियाओं के लिए शास्त्रकारों ने अपने दीर्घकालीन अनुभवों से ऐसे नियमों का निर्माण किया है जिसका अनुसरण कर मनुष्य अपने जीवन को सफल बना सकता है |

आदर्श दिनचर्या के प्रमुख भाग है –

1.ब्रह्ममुहूर्त में जागना   2. शरीर शुद्धि

3. ईश्वरोपासना   4.आसन

5. अध्ययन   6.भोजन

7.स्कूल,दफ्तर जाना   8. खेल ,विश्राम

9. संध्या   10. शयन

नुमेश कुमार
स्नातक शिक्षक

लोक और लोक साहित्य

लोक साहित्य का अभिप्राय उस साहित्य से है जिसकी रचना लोक करता है | लोक–साहित्य उतना ही पुराना है जितना कि मानव, इसीलिए इसमें जन-जीवन की प्रत्येक अवस्था,प्रत्येक वर्ग,प्रत्येक समय और प्रकृति सभी समाहित है | लोक साहित्य मनुष्य समाज का वह वर्ग है जो शास्त्रीयता और पांडित्य की चेतना और अहंकार से शून्य है जो एक परंपरा के प्रवाह में जीवित रहता है| साधारण जनता से संबंधित साहित्य को लोक-साहित्य कहा जाता है | साधारण जनजीवन विशिष्ट जीवन से अलग होता है| लोक-साहित्य (जनसाहित्य) विशिष्ट साहित्य से अलग होता है | किसी देश या क्षेत्र का लोकसाहित्य आदिकाल से लेकर अब तक की उन सभी प्रवृतियों का प्रतीक है जो साधारण जनस्वभाव के अंतर्गत आती है| इस साहित्य में जनजीवन की सभी प्रकार की भावनाएँ बिना किसी दिखावें के समाई रहती है | लोकसाहित्य में लेखन कार्य बहुत कम है जबकि मौखिक रूप में अधिक है| लोक जीवन की जैसी सरलतम, अनुभूतिमयी अभिव्यंजना का चित्रण लोकगीतों व लोक-कथाओं में मिलता है, वैसा अन्यत्र सर्वथा दुर्लभ है |

लोक-साहित्य में लोक-मानव का हृदय बोलता है, प्रकृति स्वयं गाती-गुनगुनाती है लोक-साहित्य में निहित सौंदर्य अनुभूतिजन्य है| आदिकाल से श्रुति एवं स्मृति के सहारे जीवित रहने वाले लोकसाहित्य के कुछ विशेष सिद्धांत हैं | इस साहित्य में रचनाएँ जो अनेक कंठों से अनेक रूपों में बन-बिगड़कर एक सर्वमान्य रूप धारण कर लेती है यह रचनाक्रम आदिकाल से लेकर अबतक जारी है | परंपरागत एवं सामूहिक प्रतिभाओं से निर्मित होने के कारण विद्वानोँ ने लोकसाहित्य को अपौरुषेय (दैवी) की संज्ञा दी है |

अत: यदि कहीं की समूची संस्कृतिका अध्ययन करना हो तो वहाँ के लोक साहित्य का विशेष अवलोकन करना होगा | निश्चय ही परंपरागत लोकसाहित्य किसी एक व्यक्ति की रचना का परिणाम नहीं है | वैसे तो इसके कई उदहारण दिए जा सकते है कि एक ही गीत,कथा या कहावत एक स्थान पर जिस रूप में होता है दुसरे स्थल पर पहुँचते-पहुँचते उसका रूप बदल जाता है किंतु एक अच्छा प्रमाण है कि सैकड़ो वर्षों से गाए जानेवाले लोकमहाकाव्य आल्ह-खंड को आज तक एकरूपता नहीं मिली इस कार्य में लोकप्रवृत्ति किसी प्रतिबंध को स्वीकार नहीं करती | इस साहित्य की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह अनेक रूपों में होते हुए भी अनेकता में एकता की भावना से युक्त होता है | भाषा को बदलकर भी भावपक्ष में कोई परिवर्तन नहीं दीखता | एक ही रचना जो किसी स्थल पर वहाँ की बोली में पाई जाती है, वही बहुत दूर दूसरी बोली में भी मिल जाती है | ऐसा शायद इसलिए संभव हुआ होगा कि यात्राकाल में मानव जब कभी कहीं दूर गया होगा तो अपने

साथ अपना साहित्य साथ लेता गया होगा और गंतव्य स्थान पर उसकी छाप छोड़ आया होगा जिसे वहाँ के लोग स्वीकार कर लिया होगा | यह क्रम आज भी जारी है | जब कोई ग्राम्या नैहर से ससुराल जाती है तो स्वभावतः वह नैहर की उन लोकरचनाओं को अपने साथ ले जाती है जो उसे स्मरण रहती है| यदि उसका विवाह मायके के बोली क्षेत्र में हुआ तब तो कोई बात नहीं, किंतु अन्य बोली क्षेत्र में विवाह होने पर वह नैहर के गीतों को स्थानीय बोली के लहजे में ढाल लेती है | इस कार्य में ससुराल की ग्राम्यायोओं द्वारा भी सहायता मिलती है | इस प्रकार बनाव बिगाड़ बराबर चलते रहते है |

विदेशिया बिहार का सार्वजानिक लोकप्रिय लोकनाट्य है | व्यापार काम धंधे की तलास में प्रतिदिन असंख्य लोग गाँव से पलायन करने को मजबूर होते है | ऐसे में पति को परदेश जाने की विवशता पत्नी को विरह सहने के लिए मजबूर करती है | बिरहणी पत्नी जब अपने दर्द को गीतों में अभिव्यक्त करती है तो बिरहा और कजरी लोकगीत के रूप में जनसमाज उसकी पहचान करता है | बिहार में प्रचलित इन्ही लोकधुनो के आधार पर बिहारी ठाकुर ने बिदेशिया नामक लोकनाट्य की रचना की |

इतिहास के पन्नों में छत्तीसगढ़ का वैभव, ऐश्वर्य एवं सांस्कृतिक उत्थान का वर्णन मिलता है | छत्तीसगढ़ अंचल में विभिन्न भाषाओँ, संस्कृतियों एवं धर्मो के लोग निवास करते आ रहे है | यहाँ समय-समय पर जो विभिन्न जातियाँ बाहर से आकर बस हई, उनमें एक पारिवारिक संबंध बन गया |

छत्तीसगढ़ी जनभाषा आंचलिकता की दृष्टी से एक अत्यंत प्राचीन संस्कृति की उपज है |

सभी लोक-भाषाओं में – संस्कार गीत, जन्म गीत, विवाह गीत,पर्व गीत, बारहमासा आदि मुख्यता से गाए जाते है|

सन्दर्भ- लोक साहित्य, दीपांश पब्लिकेशन, सौरव कुमार |

सुमन्त यादव
(स्नातक शिक्षक)
-हिंदी)

नया सवेरा लाना होगा

ऐ इंसान ! तुझे अब उठना होगा,
संभलना होगा , चलना होगा,
जीवन में आगे बढ़ना होगा |
बहुत हो चुका सूर्यास्त,
ऐ इंसान ! अब तो नया सवेरा लाना होगा ||

बहुत जी चुके हो अंधविश्वासों के सहारे,
पाखंडों को तोड़कर नया विश्वास लेकर आना होगा,
जात-पात न हो नीवं जिसकी ऐसा समाज बसाना होगा |
ऐ इंसान ! अब यो नया सवेरा लाना होगा ||

तू आगे कदम बढाता जा पूरा समाज तेरे साथ होगा,
भगवान भी तेरे इस कार्य पर खुद गर्वित होगा,
कला बनाकर भेजा धरती पर जीवन को संवारना होगा |
ऐ इंसान ! अब तो नया सवेरा लाना होगा ||

इस क्रंदित समाज को एक ऐसा पथ दिखाना होगा,
अच्छाई के साथ चले ऐसा इसको बनाना होगा,
भय के इस वातावरण में सबको निर्भीक बनाना होगा |
ऐ इंसान ! अब तो नया सवेरा लाना होगा ||

छोड़ दे फल कि चिंता तू निरंतर कर्म करता जा,
गीता, गुरुबानी, बाइबिल, कुरान सबको इनका सन्देस देता जा,
अच्छी कवयित्री बनकर तुझको प्यार का गीत गाना होगा |
ऐ इंसान ! अब तो नया सवेरा लाना होगा ||
जीवन में ऐसे आगे बढ़ना होगा |
नया सवेरा लाना होगा ||

रीना देवी
प्राथमिक शिक्षिका

NAYA SAWERA
INITIATE DON'T HESITATE

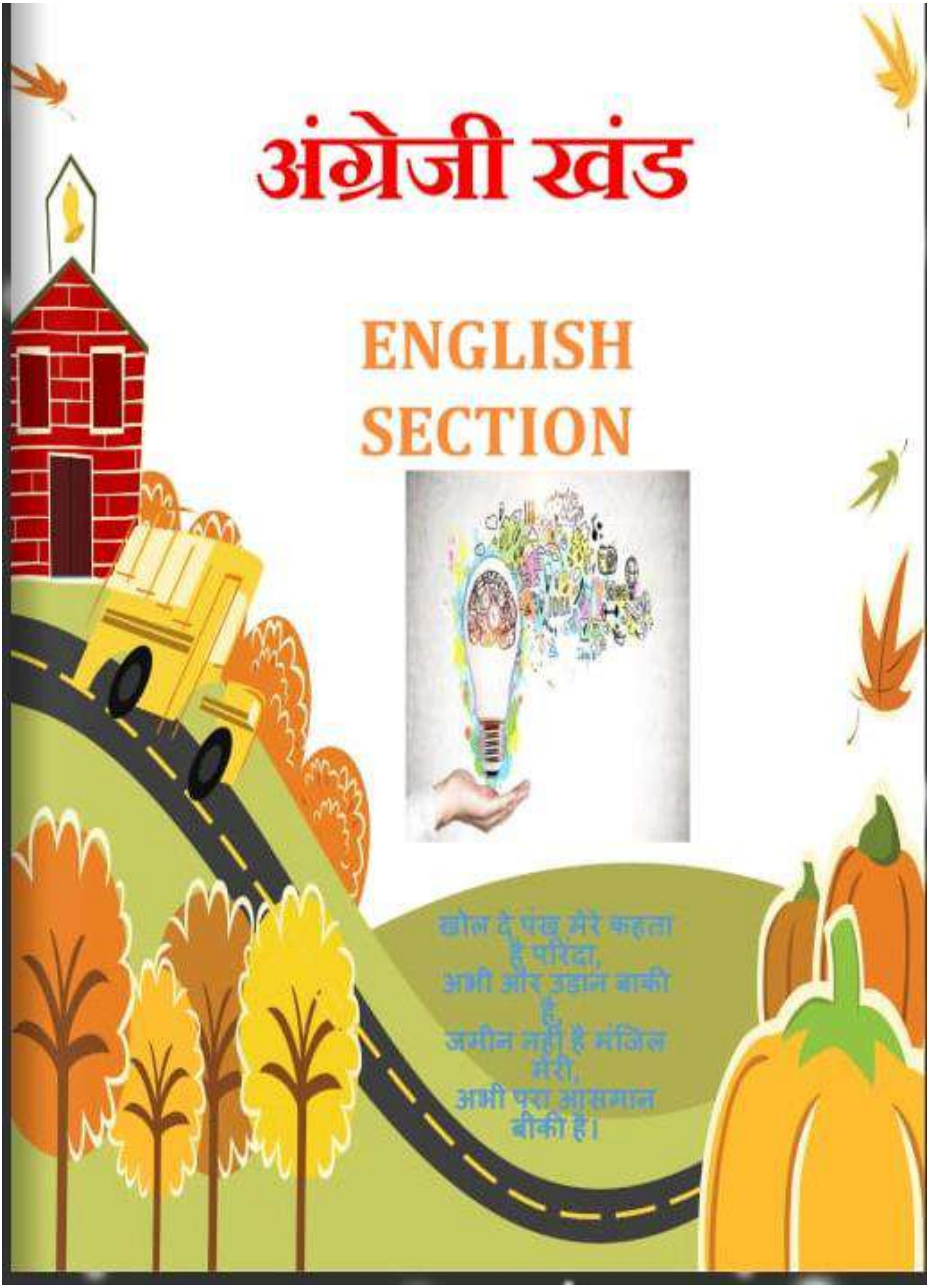

अंग्रेजी खंड
ENGLISH SECTION
खोल दे पंख मेरे कहता है परिंदा,
अभी और उड़ान बाकी है,
जमीन नहीं है मंजिल मेरी,
अभी पूरा आसमान बीकी है।

A House Without a Mother...

Who is a mother? Nobody but a spark of God on earth a mother is not a rotten carcass of a ship. He occupies a special places in our heart. Life and home. My mother is my best friend. I have a sister but my mother often treat me like a younger sister, sometimes as a friend and of course as her daughter. She loves me and when I am wrong she lovingly guides me. I shudder at the thought of my house without my mother for she is indispensable for my family. The very thought of my life, of my house without my mother frightens me. I realise the value of my mother in my life during the winter. I was going to school. It was bitter cold and I was wearing a full sleeved shirt, a pull over and a blazer as well, but there was a girl who was shivering due to cold. There was no one to look after her. She was an orphan. I made her narrate her tragic tale to me. Her sad story made me cry and from that day I came to know that a mother is that precious jewel, who cares for our happiness and comfort till is there. I love my mother very much and can't live without her.

Shrawan Oswal
11th 'B'

RIDDLES

1.I have cities, but no houses. I have mountains,

but no trees. I have water, but no fish. What am I?

2. You measure my life in hours and I serve you by expiring. I'm quick. When I'm thin and slow when I'm fat. The wind is my enemy.

3. What English word has three consecutive double letters?

4. I come from a mine and get surrounded by wood always. Everyone uses me. What am I?

5. What disappears as soon as you say its name?

6. I have keys, but no locks and space, and no rooms. You can enter, but you can't go outside. What am I?

7. This belongs to you, but everyone else uses it.

Answers: 1.The Map , 2. The Candle, 3.Bookkeeper, 4. Pencil

5. Silence, 6.keyboard, 7.Your Name

~RUPAM SAHU (11 A)

1. THE CHALLENGING YEAR

"This too will pass!", is the line through which we had given consolation to our heart during those time.

The time has changed, the lifestyle has changed but the memories remains the same. The pandemic has changed the shape of the world and told us the value of everything. Those days were very tough to survive, each second feels like an hour, many people lost their life and many of us lost our nearer ones. From the classes of the school to the classes of zoom everything changed but studies remains the same.

Pandemic has shown its effect on everything, the transformation of workers to the Corona Warriors saved lots of lives. We can't forget the struggle of doctors who even doesn't care for themselves in serving COVID-19 patients.

Workers of municipal corporation, without thinking about themselves they have played vital role during the pandemic. It was not easy for teachers to sudden shift education into the virtual platform. From the students to the teachers everyone have suffered through it.

Pandemic has taught us the lesson of cooperation, that time we all were together despite being in different places.

But now it's time to end this virus, as our scientist invented vaccination for this virus, it should be our responsibility to get vaccinated and aware everyone for the vaccination. We all can win this battle by just vaccinating ourself, proper hygiene, wearing mask and sanitizing hands.

The world needs huge positive energy to fight against the negative forces. Go to the center of your inner begin and generate that positive energy for the welfare of the humanity.

-MAHI SINGH

CLASS– 12th -A

2. Dear Parents

Student continuous hard work throughout the year produces good result, but in many cases, it has been observed that the success we are expecting from them is lagging behind.

What may be the reason? May be the lack of efforts by the students? May be the lack of proper guidance to them? May be due to lack of practice by them? May be the availability of Books, Study Material, Time Management or any other resources? May be.......... There is no end of "MAY BE".

"Man is the Bank of excuses". So instead of worrying about "MAY BE", we shall try to do our best with the students. Each parent, being facilitators, provides the best facilities to their ward. A teacher, being a guide, also teaches at their level best. But only sending your ward to school is not enough.

When student come to School, they only see what to do and how to do but they didn't remember anything. I think, the main reason of lagging behind with some marks is lack of writing practice. Can you tell me, when the student get chance to evaluate themselves?

Students read the subject Computer Science in the same way as in other subject. Computer Science subject requires a lot of writing practice instead of just reading it. Once any chapter in the school is finished, they should practice the exercise question Chapter wise in written. Solution of question paper before final examination is also necessary.

I have tried to compile the questions from many available sources so that students can solve to find the topic, where more practice is needed. They should contact the teacher for solution.

The most important for parents... continuously keep in contact with the teacher to find the progress and the improvement of their ward.

-DR. AMARNATH PATHAK
PGT– CS

3. Our struggle for freedom

The ancient wrong rules make a land, whose groans
Rise swarming to the stars by day and night,
Thronging with mournful clamour round the thrones,
Where the Archangels are sit in God's Great light,
And, pitying mourn to see that wrong still Reigns
and tortured Nations writhe in galling chains.
From Hungary and France fierce cries go up
And beat against the portals of the skies;
Lashes Italy still drinks the bitter cup.
And Germany in object stupor lies
The knout on Poland's bloody shoulders rings
and time is all one jubilee of kings
It will not be so always. Through the night
The suffering multitudes with joy and descry.
Beyond the Ocean a great Beacon-light,
Flashing its rays into their starless sky.
And teaching them to struggle and we free,
the light of order law and liberty.
Take heart, ye bleeding nations and your chains,
Shall shiver like thin glass. The down is near,
When earth can feel, through all her aged veins,it rains..
The new blood pouring; and her drowsy ears,
Hear Freedom's trumpet ringing in the sky.
Calling her braves to conquer or to die,
Arm and revolt, and let the hunted stags
Against the lordly lions, stand at the bay.
Each pass. Thermopylae and all the crags.
Young freedom fortresses. At soon the day
shall come, when right shall rule and round the thrones
That girl God's feet shall eddy no more groans.

CHANCHAL SAHU
(Class 11th- A)

5. STUDENT LIFE

The best time of any person's life is the student life. In student life, a person enjoys everything whether it is studying, playing, making friends, etc. When a person remembers about his school life, his face lit up with happiness. Sometime, we had to face some difficulties & we have to deal with it by doing hard work and in that time we get to learn many things and this is the essence of student life. The meaning of student life is "to learn". Therefore, whenever we get to learn, we should not hesitate in it. There is no age to learn, even an elderly person can learn from a child.

Devesh (Class 12-A)

What Is Air Pollution?

Air pollution refers to the release of pollutants into the air—pollutants which are detrimental to human health and the planet as a whole. According to the World Health Organization (WHO), each year air pollution is responsible for nearly seven million deaths around the globe. Nine out of ten human beings currently breathe air that exceeds the WHO's guideline limits for pollutants, with those living in low- and middle-income countries suffering the most. In the United States, the Clean Air Act, established in 1970, authorizes the U.S. Environmental Protection Agency (EPA) to safeguard public health by regulating the emissions of these harmful air pollutants.

What Causes Air Pollution?

"Most air pollution comes from energy use and production," says John Walke, director of the Clean Air Project, part of the Climate and Clean Energy program at NRDC. "Burning fossil fuels releases gases and chemicals into the air." And in an especially destructive feedback loop, air pollution not only contributes to climate change but is also exacerbated by it. "Air pollution in the form of carbon dioxide and methane raises the earth's temperature," Walke says. "Another type of air pollution, smog, is then worsened by that increased heat, forming when the weather is warmer and there's more ultraviolet radiation." Climate change also increases the production of allergenic air pollutants, including mold (thanks to damp conditions caused by extreme weather and increased flooding) and pollen (due to a longer pollen season

Rudra Pratap Janghel Class-11- B

HOW TO REINVENT YOURSELF

When life starts to feel a little too sticky, try these ways to reinvent yourself:

1. Focus on the Good

Whenever things aren't going so well for me, I realize that it's time to stop and take stock in what's really going on in my life. Usually, I find that while some of it isn't going so well, a fair amount of it still is.

Focusing on what is going well will help you take your mind off what isn't going so well and will also allow you to get yourself out of your rut quickly. What you focus on magnifies. So you might as well focus on the good stuff

.2. Change Your Diet

Since 20 – 30 percent of us are obese and as most of the grocery store aisles are packed with processed foods, I think it's safe to assume that we can all benefit from making healthier choices with our diets. Even if you aren't overweight, incorporating healthier choices into your diet will only have positive results. Not only might you lose a few pounds, but eating more fruit will increase your happiness and resilience levels, making it easier for you to naturally reinvent yourself to become a healthier, happier, and better version of you from the inside out.

3. Clear Out Physical Clutter

Want to reinvent yourself? Get rid of anything that you no longer like, use or need. Clutter is just stuff that isn't the best of you so why keep it around? To complicate your life any longer than you have to? By donating, selling and recycling your old stuff, you'll actually be able to find the real YOU, which is a really easy way to reinvent yourself as the person you always wanted to be. When you de-clutter properly, what you're left with is the best possible

version of yourself. It’s really motivating to live every day surrounded by the best of who you are right now.

4. Clear Our Emotional Clutter

It’s easier to deal with physical clutter because you can see it. Therefore, you know it’s there. Emotional clutter is much more difficult because it’s affecting how you think and do everything. Yet often, you’re not even aware of it at all. The way you start to conquer emotional clutter is by becoming aware of your actions and then becoming aware of how you’re feeling throughout the day. This means asking yourself a bunch of questions like:

- How am I feeling?
- Why do I feel this way?
- Is there anything I can change for the better in this moment?

This will help you to become more aware of yourself, your actions, and your feelings. It will also help you to make small changes to be and feel like a newer version of yourself.

5. Change Up Your Routine

An easy way to get stuck is to get yourself into such a routine that you’re on autopilot all the time. Your life has become so systematized you don’t even need to think about it anymore. That’s when life has become boring and monotonous; you feel AND look stuck.

While I’m all for systematizing the easy stuff, it doesn’t mean you can put it all on autopilot and never look at it again. Take a look at your life and see what can be eliminated, changed, or added to help you reinvent yourself.

MADE BY -KUNAL NETAM (11A)

NOT

You are not your age, nor the s
ize of clothes you wear,
You are not a weight, or the co
lor of your hair.
You are not your name, or the
dimples in your cheeks
You are all the books you read,
and all the words you speak.
You are your croaky morning
voice, and the smiles you try to
hide.
You're the sweetness in your la
ughter, and every tear you've
cried.
You're the songs you sing so lou
dly when you know you're all al
one.
You're the places that you've b
een to, and the one that you
call home.
You're the things that you belie
ve in, and the people whom you
love.
You're the photos in your bedro
om, and the future you
dream of.
You're made of so much beauty,
but it seems that you forgot
When you decided that you
were defined by all the things
you're not.

-Jayditya Singh Jadeja
class 11 th"A"

WILDLIFE CONSERVATION.

Like forests, wildlife consisting of animals, birds, insects, etc. Living in the forest is a national resource, which not only helps in maintaining the ecological balance but also beneficial for various economic activities that generate revenue from tourism. The rich flora and fauna also play a major role in maintaining the ecological balance of a region. There was a time when human needs were minimum and there was bare interference in the wildlife. There is no denying the fact that due to urbanization, pollution, and human interventions wildlife is rapidly disappearing from the planet.

Today the biodiversity of the world is threatened due to the extinction of species. There are thirty-five hotspots around the world, which supports 43% of birds, mammals, reptiles, and amphibians as endemic. The IUCN has compiled a list of species and has classified the different species under extinct, critically endangered, less endangered, vulnerable, near threatened, and least concern. This list is called the Red Data Book. According to the World Wildlife Fund (WWF), the number of birds, animals, marine and freshwater creatures has dropped by almost one-third of its earlier population.

Causes for Decline or Threat to WildlifE

One of the major reasons for the constant decline of wildlife is human's ever-increasing demands and greed that have led to deforestation and habitat destruction. For the purpose of development and urbanization, man has chopped down trees to build dams, highways, and towns and this has forced the animals to retreat further and further into the receding forests.

Rapid industrialization and urbanization due to the fast growth in population in recent decades have taken a heavy toll on wildlife. Global warming and extensive environmental pollution have largely threatened wildlife as they lead to habitat destruction and rising temperature.

There is a huge demand for animal fur, skin, meat, bone, etc. Across the globe that has led to a decrease in the wildlife population. Poachers kill the animals for the illegal trading of their body parts. The desire to keep animals in captivity or their desire to consume certain animals as exotic food has resulted in the disappearance of many animal species such as tigers and deer.

Forest fires, food shortage, increase in the number of predators, extreme weather conditions and other extraneous reasons have led to the extinction and endangerment of many species.

Many types of animals, birds, and fauna are needed to retain the ecological balance. They are considered necessary for scientific research and experiments that will benefit mankind.

Pollution:

Pollution is one of the major causes that have led to the destruction of the habitat of animal species. Pollution of the environment like air pollution, water pollution, and soil pollution has an adverse effect on the entire ecosystem. It has become of utmost importance to control environmental pollution.

Awareness:

More campaigns must be launched to raise awareness in humans on the need to keep our environment clean. A man should be responsible to maintain a healthy and balanced ecosystem so they should be cordial with the environment. More organizations like PETA should be set up in order to create awareness among people for the protection of wildlife.

Population:

Man should consciously put a check on the rapid growth of the population. The slow growth of population will decrease the rate of urbanization and that will have a major impact on the preservation of wildlife.

Wildlife Sanctuaries:

Wildlife sanctuaries should be made to ensure the protection of the areas of ecological significance. Under Wildlife Protection Act, 1972 various provisions for protecting habitats of wildlife are made by constructing national parks and sanctuaries. These parks and sanctuaries ensure the protection and maintenance of endangered species.

Ban of Illegal Activities:

Illegal activities like hunting, poaching, and killing animals, birds, etc. For collections and illegal trade of hides, skins, nails, teeth, horns, feathers, etc. Should be strictly prohibited and severe punishments and fines should be imposed on people who do these kinds of activities.

Many countries have taken the initiative to help animals by proclaiming various birds and animals either as national animals or as protected species. In India, the government has launched a program of Joint Forest Management to protect the wildlife and their habitat. Under this program, responsibilities have been assigned to the village communities to protect and manage nearby forests and the wildlife in it. Animal species have the right to live just like humans. Therefore, we should take every step to conserve them and ensure their survival and betterment.

Conclusion

Wildlife is an internal part of our planet. Wildlife plays a significant role in the ecology and the food chain. Disturbing their numbers or in extreme cases, extinction can have wide-ranging effects on ecology and humankind. Valuing and conserving forest and wildlife enhance the relation between man and nature. We want our future generation to be able to hear the lions roar and peacock dancing with their extravagant feather and not just see them in picture books. We must take steps today or else it will be too late.

MADE BY PRANJAL GIRI
CLASS – 9TH "A".

ABC's of friendship

always be honest.
be there when they need you.
cheer them on.
don't look for their faults.
every chance you get call!
forgive them.
get together often.
have faith in them.
include them.
just listen.
know their dreams.
love them unconditionally.
make them feel special.
never forget them.
offer to help.
praise them honestly.
quietly disagree.
rescue them often.
say you're sorry.
talk frequently.
use good judgment.
vote for them!
wish them good luck!
x-ray yourself first.
your words count.
zip your mouth when necessary.

-Aaryan...

BLACK HOLE

A black hole is a region of spacetime where gravity is so strong that nothing — no particles or even electromagnetic radiation such as light — can escape from it.[7] The theory of general relativity predicts that a sufficiently compact mass can deform spacetime to form a black hole.[8][9] The boundary of no escape is called the event horizon. Although it has an enormous effect on the fate and circumstances of an object crossing it, according to general relativity it has no locally detectable features.[10] In many ways, a black hole acts like an ideal black body, as it reflects no light.[11][12] Moreover, quantum field theory in curved spacetime predicts that event horizons emit Hawking radiation, with the same spectrum as a black body of a temperature inversely proportional to its mass. This temperature is on the order of billionths of a kelvin for black holes of stellar mass, making it essentially

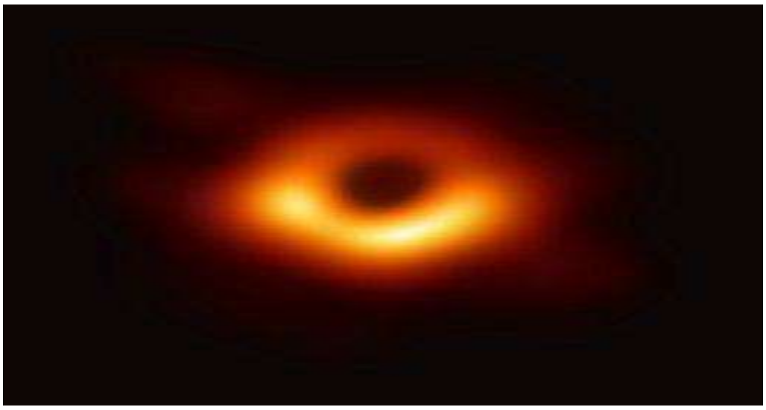

impossible to observe directly.The supermassive black hole at the core of supergiant elliptical galaxy Messier 87, with a mass about 7 billion times that of the Sun,[1] as

depicted in the first false-colour image in radio waves released by the Event Horizon Telescope (10 April 2019).[2][3][4][5] Visible are the crescent-shaped emission ring and central shadow,[6] which are gravitationally magnified views of the black hole's photon ring and the photon capture zone of its event horizon. The crescent shape arises from the black hole's rotation and relativistic beaming; the shadow is about 2.6 times the diameter of the event horizon.[3]

Black holes of stellar mass form when very massive stars collapse at the end of their life cycle. After a black hole has formed, it can continue to grow by absorbing mass from its surroundings. By absorbing other stars and merging with other black holes, supermassive black holes of millions of solar masses (M☉) may form. There is consensus that supermassive black holes exist in the centers of most galaxies.

The presence of a black hole can be inferred through its interaction with other matter and with electromagnetic radiation such as visible light. Matter that falls onto a black hole can form an external accretion disk heated by friction, forming quasars, some of the brightest objects in the universe. Stars passing too close to a supermassive black hole can be shred into streamers that shine very brightly before being "swallowed."[16] If there are other stars orbiting a black hole, their orbits can be used to determine the black hole's mass and location. Such observations can be used to exclude possible alternatives such as neutron stars. In this way, astronomers have identified numerous stellar black hole candidates in binary systems, and established that the radio source known as Sagittarius A*, at the core of the Milky Way galaxy, contains a supermassive black hole of about 4.3 million solar masses.

Name – Sahil Sahu

ARTICLE

HOW TO KNOW YOU'RE ON THE RIGHT PATH

1. You Are Not Caring For The

As human beings, we all have bitter pasts that make us feel down and don't let us move forward. When you will start thinking to look forward, then you will find yourself on the right path and don't lose track of time.
Life and situations both change with time. So sticking with the memories is not a good sign in the path of achieving success. To forget the past, you need to,

- **Think logically**
- **Utilize the time**
- **Drive yourself towards the goals**
- **Don't think too much about the past**
- **Consider the bitter past as a part of the experience of life**
- **Keep yourself busy with the present goals**

2. You Are Not Complaining About You

Complaining about life is one of the most common instincts of human nature. Even though we agree that we are happy in our life, we still complain sometimes. However, sometimes we complain without even considering things around us.

A little bit of complaining about life can be accepted but if it happens more than a limit, then your life is not on the right path. In this case, the first thing you need to stop complaining and look at the bright sides of life. To reduce this complaining nature, you can

Change the way of your thinking

Practicing Yoga

Maintain your responsibilities

Do all the things that make you happy

Make changes in your lifestyle

Train yourself not to judge everything and everyone

Be grateful for the things that you have already achieved

3. You Aren't Worried If Things Getting

Life isn't meant to be easy at all. Rather it is full of ups and downs and we have to go through a lot of difficulties during our life journey. So the only way to celebrate life is not too worried about it. If you step out of your comfort zone then you are on the right path.

Whenever things get tough, accept it and work hard to get over it. If you can do that then you are definitely on the right path in life. Some crucial tips for not to worry about when things get tough are,

Accept the difficulties

Work hard and set your goals

Don't give up until you reach your destination

Admire and motivate yourself

Don't lose hope

Don t worry too much

4. You Are Finding Everything Right

Accepting the flaws is considered the highest level of maturity. If you accept the flaws of everything and go with the flow, then nobody can be happier than you. Considering every imperfect thing as perfect and making it the way you

want, is one of the best ways to shaping your life. It will always keep you one step ahead of others. Moreover, this is the way to keep you on the right track in life. To develop this nature, you need to

Be grateful for whatever you have
Accept that everything has flaws
Turn the imperfection into your perfection
Be satisfied even if things get rough

5. You Are In Peace

If anyone asks what is the most valuable asset in life then I will say that it's our inner peace. And it doesn't depend on anybody or anything. It is the only thing that comes from our inner self.

The definition of peace doesn't say that running after peace is not the way to be in peace. Rather, peace is right in front of us all. We just need to find our inner peace and experience it. If you are in peace and happiness in your life then you are on the right path. To be in peace you need to,

Avoid toxic things of life
Focus on the positive aspects of life
Use your strength and capabilities
Accept the flaws of you and love yourself
Admiring the difficulties in life

MADE BY :-PANKAJ JANGHEL

4. Mahatma Gandhi a Protagonist of Peace…..

The second day of the month of October present yet another occasion to a grateful nation to reason the teaching of the father of the nation, Mahatma Gandhi the advert of Mohandas Karamchand Gandhi on the Indian political horizon posed enough reason to excite as well as attract hundreds of Indian towards him and more towards his ideology which later came to be called the Gandhian philosophy.

It was to his unique credit that in a world marred by violence and man made hatred, Mahatma Gandhi stands firm as a man of universal good will and a protagon the magic spell of success his methodology continues to have.

A peace-however with a difference this is what the protagonist was himself to say. I am a man of peace But I do not want peace and any price .I do not want the peace that you find in grave. This is precisely an element that gives a suitable clause about Gandhi as a man of peace. This is only to underline that despite being a crusade of peace, Mahatma Gandhi was not just cut out to be someone who would or could accept anything or everything in the name of peace deal.

Gandhiji's definition of peace was not without struggle. Infect he had led brainy in fight against apartheid in white ruler South Africa. Consequently on his return back
home in 1915 Gandhiji took on the mantle as a social reformer with campaign against untouchability and other social vices.

His Ram dhun the popular devotion no. "Iswar Allah tero naam" is still the nation best hymn for hindu muslim peace. This bring as into debate what was then peace to Gandhiji. Well any can say that the highly upheld peace was not an end by itself to him.

Mahatma Gandhi in real sense was a harbinger of truth. Infect he ever had said that truthfulness is more important than peacefulness. In this context the following word of the Mahatma, as quite relevant. Mahatma as quoted from Young India newspaper are quite relevant Mahatma Gandhi wrote, "Though we sing all glory to God on high and on the earth be peace-there seem to be today neither glory to God nor peace on earth". Mahatma Gandhi wrote

these words in December 1931. He died 17 year later in January 1948 to an assassin bullets.

The world is today face with plethora of conflicts of all types. Therefore we see Gandhi emphasis on universal brotherhood and peaceful co-existence has all therefore the most upheld principles of patriotism as also on ways and mean to end various global conflicts. In fact a true testimony of Gandhiji teaching lies in

the fact that mere good ends do not justify bad means.

It is obvious that in today world nothing seem to be permanent except the crisis of peace and nothing would be a better tribute to this man than to re-dedicate our self towards the cause of peace and mutual tolerance Here lies the relevance of Gandhism.

(Article presented in National Level Read India Celebration RIC-2021)

Mr.Tushar Nagdive

Primary Teacher

STUDENT LIFE

The best time of any person's life is the student life. In student life, a person enjoys everything whether it is studying, playing, making friends, etc. When a person remembers about his school life, his face lit up with happiness. Sometime, we had to face some difficulties & we have to deal with it by doing hard work and in that time we get to learn many things and this is the essence of student life. The meaning of student life is "to learn". Therefore, whenever we get to learn, we

should not hesitate in it. There is no age to learn, even an elderly person can learn from a child.

Devesh (Class 12-A)

7. India's Struggle for Freedom

'Own Flag does not fly
because the wind moves it,
It flies because last breath of
each soldier who died protecting it"

"Freedom is our birth right and its protection is a responsibility"

Life is meaningless without freedom. A person who is submissive can neither be happy nor be free and also unable to fulfil his desire. The life of birds or caged birds flying freely in the open sky can be distinguished from the lifestyle of the people of a independent and sleep country.In the same way, our country India got freedom from the long term slavery about 200 years from the British colonial power. And The freedom that we get after a lot of struggle increases the importance of that freedom. Freedom is the open window through which pours the sunlightof human spirit and human dignity...

The history of India is thousands of year old. It has faced many foreign invasions in its thousands of years of history. When the British tightened their grip on India in the eighteenth century, we realised slavery for the first time.

Because gradually the British exploited us and started harming our culture and civilization and got our mother India in slavery in the British fetters. But then the freedom fighter started the struggle for independence against the British.

The Indian freedom struggle is one of the most significant progress in the history of India. We all know how to British lightened their grip on India and started trading goods like silk and cotton in our country and as they went on hollowing out our country.

To get freedom from this terrible rule, India went through a very difficult phase & Mangal Pandey started the first movement against the British in 1857. Similarly, from time to time there were many movements that helped India to achieve Independence. Such as the Civil Disobedience Movement, Dandi March, Quit India Movement etc. After a long saga, our country became independent on 15 August 1947, which emerged as a unity and it is said that – "A nation which is organised can neither break nor break it."

Sejal Jaiswal Class 9

8)A Letter From Abraham Lincoln To His Son's Teacher -

Abraham Lincoln, the 16th president of the United States was one of the most revered presidents of the States. Read his masterpiece which he had written to his son's teacher.

My son starts school today. It is all going to be strange and new to him for a while and I wish you would treat him gently. It is an adventure that might take him across continents. All adventures that probably include wars, tragedy and sorrow. To live this life will require faith, love and courage.

So dear Teacher, will you please take him by his hand and teach him things he will have to know, teaching him – but gently, if you can. Teach him that for every enemy, there is a friend. He will have to know that all men are not just,

*IMPACT OF BOOKS ON LIFE

Books are the basis of our life and every person has to make them a companion at some point in life. Books are our true friends, in whose life gets a right direction. Sometimes they are also our best friends, who give us answers from alphabet to difficult questions of life very easily.

with them can bring many changes in your life. Relating to them for children, related to them for adults. A book never deceives you and always increases your knowledge. There have been many great men in our history and we can easily read their statements and wisdom in books. Like Gandhiji, who may not be with us today but his ideology is still alive.

Whatever the age, books have always been and will be essential. Always make a habit of reading because it is a very good habit and we must adopt it. You will never be disappointed with this and it always teaches you something new. So keep reading and keep inspiring people to read.

Yashraj Dewangan
Class-7th

PARTS OF SPEECH POEM

Every name is called a Noun,
As field and fountain, street and town.
In place of noun the Pronoun stands,
As he and she can clap their hands.
An Adjective describes a thing,
As magic wand or bridal ring.
The Verb means action, something done,
As read and write and jump and run.
How things are done the Adverbs tell,
As quickly, slowly, badly, well.
The Preposition shows relation,
As in the street or at the station.
Conjunctions joins in many ways,
Sentences, words, or phrase and phrase.
The Interjection cries out, "hark!
I need an exclamation mark!"

SERVING PERSONNEL

SUBJECTS OPTIONS AFTER CLASS X FOR SCIENCE STUDENTS

OPTIONS AFTER XIITH[MAKE YOUR DECISION]

DEFENCE - NDA, TES, NA (10+2 B Tech,Cadet Entry Scheme)

ENGINEERING - JOINT ENTRANCE EXAMINATION (JEE)

MEDICAL - NATIONAL ELIGIBILITY CUM ENTRANCE TEST (NEET)

FASHION & DESIGN - NATIONAL INSTITUTE OF FASHION TECHNOLOGY (NIFT / NID)

LAW - COMMON – LAW ADMISSION TEST (CLAT)

HOTEL MANAGEMENT - NATIONAL COUNCIL OF HOTEL MANAGEMENT ANDCATERING TECHNOLOGY (NCHMCT)

AGRICULTURE - INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURE RESEARCH AIEE (ICAR AIEE)

JOINING ARMY AFTER XII

S. No	Type of Entry	Notification	Eligibility Criteria	Mode of selection	Submission of application	Date of Exam	TRG Academy	
			Edu. Qual.	Age				
1	NDA	Dec & Jun	1+2	16 & 1/2 - 19 &½ Years	NDA Exam, SSB and medical	Feb & Jul upsconline.nic.in	Apr & Sep NDA I & NDA II	NDA Pune
2	TES	FEB & JUN	10+2 (PCM) (60 %)	16 & 1/2 - 19 & 1/2 Years	JEE MAINSSB &Med	MAR & JUL www.joinindianarmy.nic.in	JEE Main mandatory	OTA GAYA

S.N	TYPE OF ENTRY	NOTIFICATION	ELIGIBILITY CRITERIA	MODE OF SEL	SUBMISSION OF APPLICATION	Academy
			EDN QUAL.	AGE		
1	NDA/NA	DEC & JUN	10+2 PHYSICS& MATHS	16 ½ - 19 ½ Yrs	NDA EXAM & SSB	APR & SEP (NDA I & NDA II)
2	10+2(PCM) B.TECH CADET ENTRY SCHEME	SHORTLISTED BASED ON JEE MAINS MERIT	10+2WITH 70% IN PCM AND 50% IN ENGLISH	16 ½ - 19 ½ Yrs	JEE MAIN (AIR) & SSB	Feb Every Year

MEDICAL - NEET

NAME OF EXAM	ELIGIBILITY	COURSE OFFERED	AGE	CONDUCTED BY	APPLICATION FORM	EXAM
National Eligibility Cum Entrance Test (NEET)	10+2 Or Equivalent With Physics, Chemistry, Biology And English as main Subject with50% marks for Gen and 40% Marks for OBC/SC/ST	MBBS BDS BVS BAMS BHMS BUMS	17 years	National Testing Agency (NTA)	Dec (InNormal situation) https://ntaneet.nic.in	May (In Normal Situation)

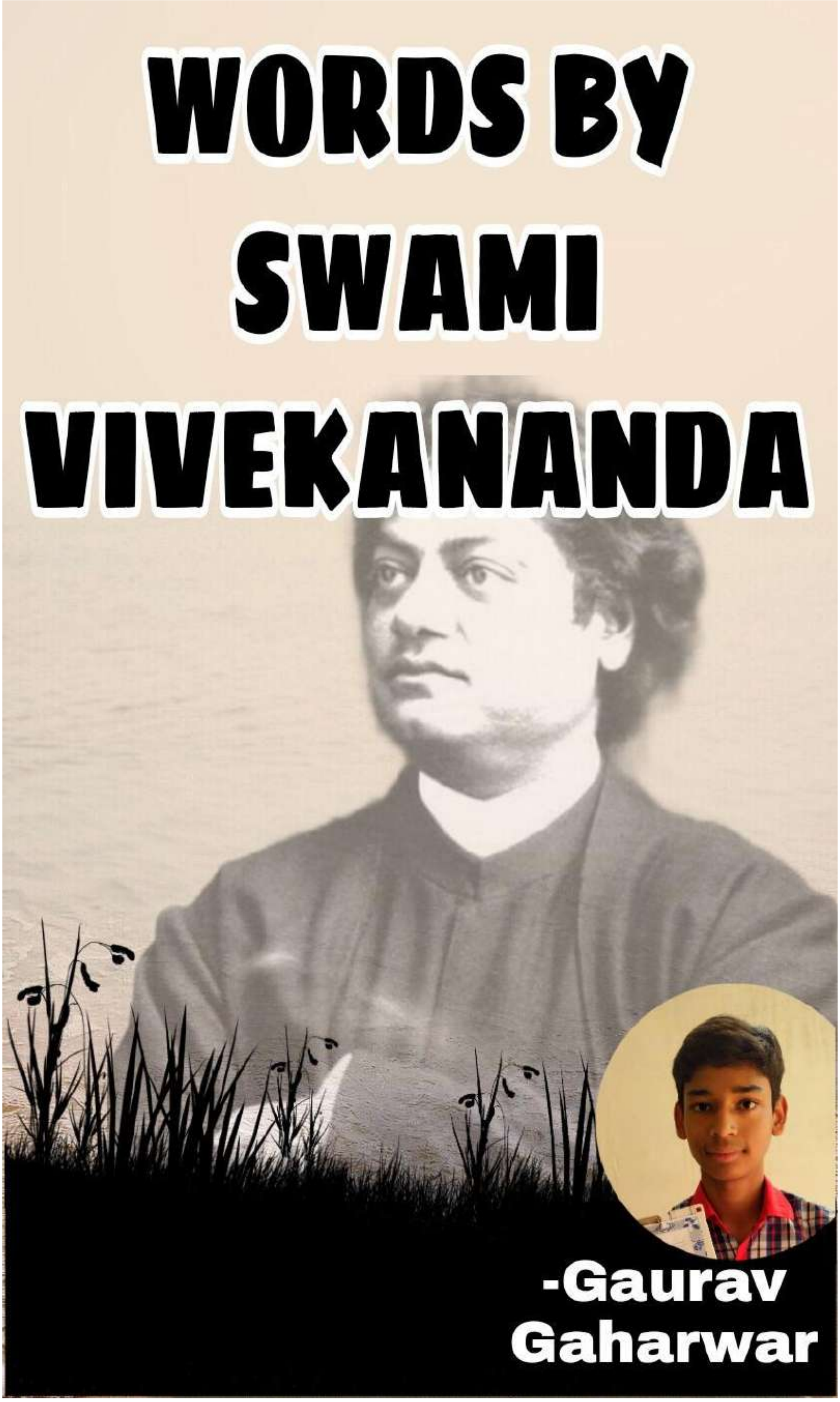
WORDS BY
SWAMI
VIVEKANANDA
-Gaurav
Gaharwar

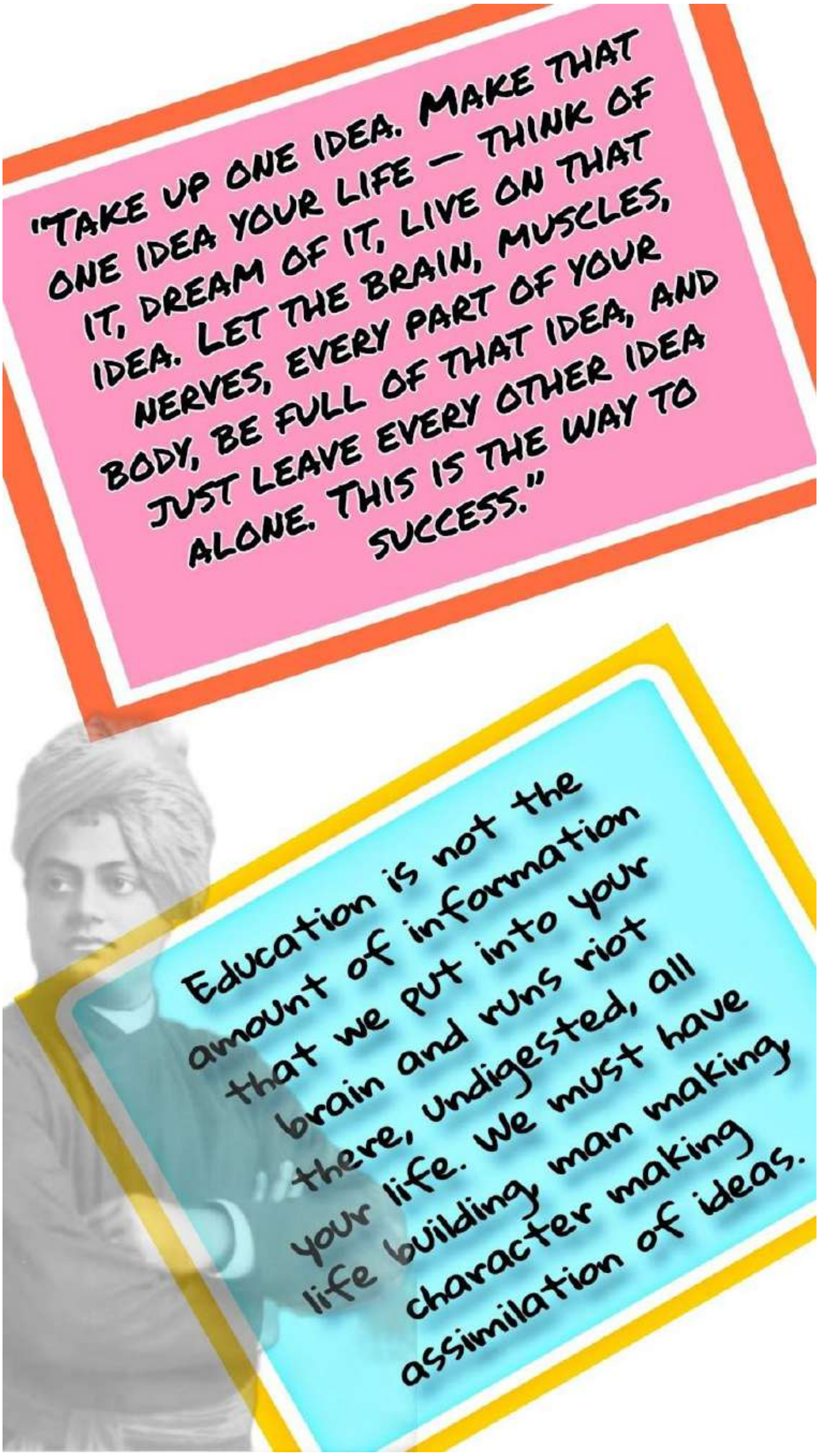
"TAKE UP ONE IDEA. MAKE THAT ONE IDEA YOUR LIFE — THINK OF IT, DREAM OF IT, LIVE ON THAT IDEA. LET THE BRAIN, MUSCLES, NERVES, EVERY PART OF YOUR BODY, BE FULL OF THAT IDEA, AND JUST LEAVE EVERY OTHER IDEA ALONE. THIS IS THE WAY TO SUCCESS."
Education is not the amount of information that we put into your brain and runs riot there, undigested, all your life. We must have life building man making character making assimilation of ideas.

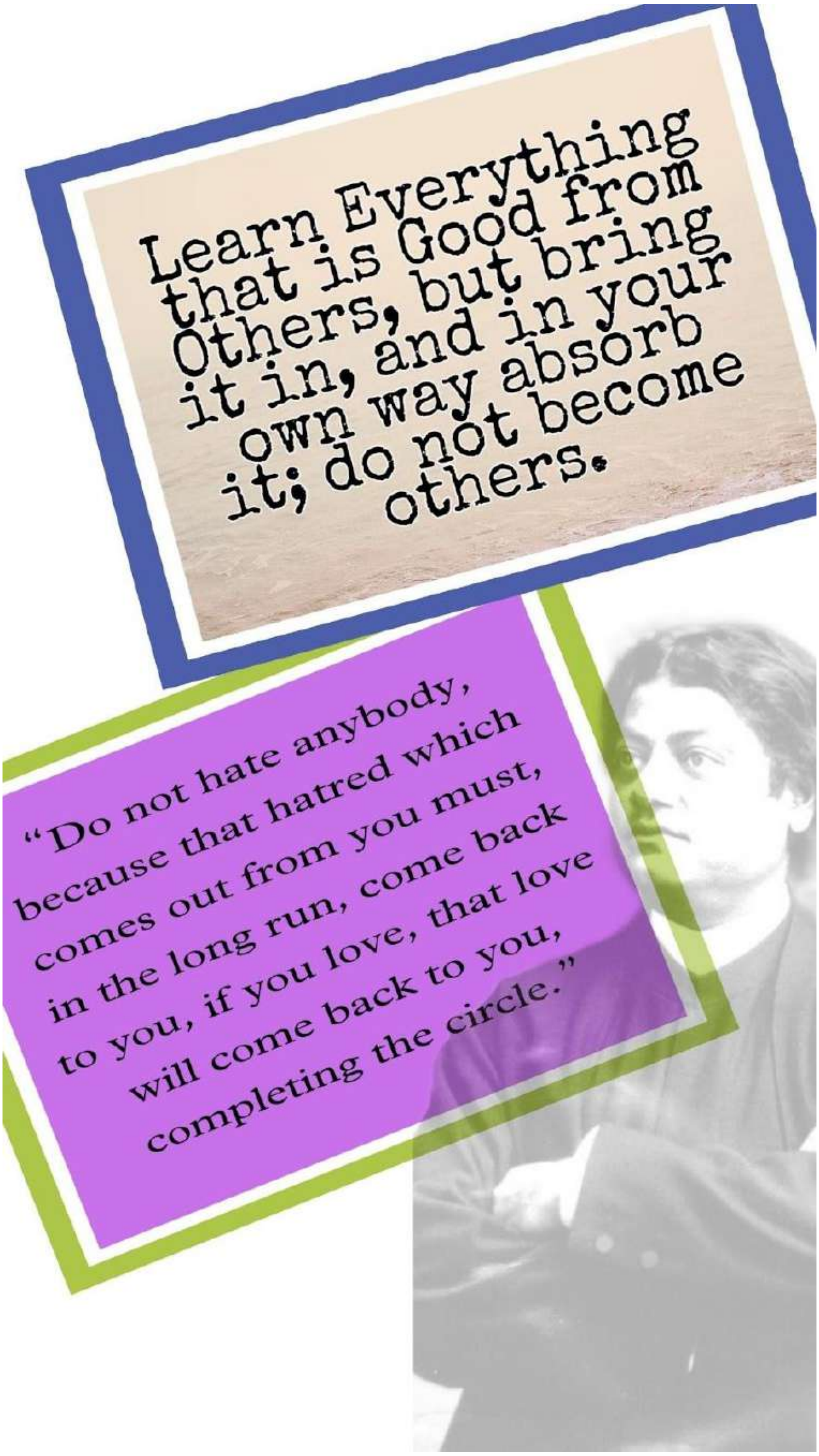
Learn Everything that is Good from Others, but bring it in, and in your own way absorb it; do not become others.
"Do not hate anybody, because that hatred which comes out from you must, in the long run, come back to you, if you love, that love will come back to you, completing the circle."

"Do not spend your energy in talking, but meditate in silence; and do not let the rush of the outside world disturb you. When your mind is in the highest state, you are unconscious of it. Accumulate power in silence and become a dynamo of spirituality."

"Always try to represent yourself happy because initially, it becomes your look. Gradually it becomes your habit and finally, it becomes your personality."

gaurav 11 A